Education Department, UT Chandigarh

समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन

हिन्दी अभियास पुस्तिका
कक्षा:10वीं

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
SECTOR-32 UT CHANDIGARH

Websites/links to download CCT Resource Material

CCT Tracker:

- URL: https://pisa.diksha.gov.in
- User Id: utcschools
- Password: Utcschools@01

SE Shagun Portal:

- http://pisa.seshagun.gov.in/codes.html
- http://pisa.seshagun.gov.in/?AspxAutoDetectCookieSupport=1
- http://pisa.seshagun.gov.in/cct/

DIKSHA:

- http://diksha.gov.in
- QR code and link for CCT Weekly- R5Z7P5
- https://diksha.gov.in/get/dial/R5Z7P5

OECD – PISA:

- https://www.oecd.org/pisa/
- https://www.oecd.org/pisa/publications/

<u>दिशा निर्देश</u> :

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):
- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :
- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:
- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

1001. अपने परिवेशगत अनुभवों पर अपनी स्वतंत्र और स्पष्ट राय मौखिक एवं लिखित रूप में व्यक्त करते हैं।

1002. अपने आस-पास और स्कूली साथियों की ज़रूरतों को अपनी भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। जैसे— भाषण या वाद विवाद में इन पर चर्चा करते हैं।

1003. आँखों से न देख सकने वाले साथी की ज़रूरत की पाठ्यसामग्रीको उपलब्ध कराने के संबंध में पुस्तकालयाध्यक्ष से बोलकर और लिखकर निवेदन करते हैं।

1004. न बोल सकने वाले साथी की बात को समझकर अपने शब्दों में बताते हैं।

1005. नई रचनाएँ पढ़कर उन पर परिवार एवं साथियों से बातचीत करते हैं।

1006. रेडियो, टी.वी. या पत्र-पत्रिकाओ व अन्य श्रव्य-दृश्य संचार माध्यमों से प्रसारित, प्रकाशित रूप को कथा साहित्य एवं रचनाओ पर मौखिक एवं लिखित टिप्पणी/विश्लेषण करते हैं।

1007. पत्रिका पर प्रसारित/प्रकाशित विभिन्न पस्तु कों की समीक्षा पर अपनी टिप्पणी देते हुए विश्लेषण करते हैं।

1008. अपने अनभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं। जैसे—कोई यात्रा वर्णन, संस्मरण लिखना।

1009 कविता या कहानी की पुनर्रचना कर पाते हैं। जैसे— किसी चर्चित कविता में कुछ पंक्तियाँ जोड़कर नई रचना बनाते हैं।

1010. औपचारिक पत्र, जैसे—प्रधानाचार्य, संपादक को अपने आस-पास की समस्याओ/ मुद्दों को ध्यान में रखकर पत्र लिखते हैं।

1011. राज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना/स्थिति-विशेष में भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए लिखते हैं। जैसे— दिन में रात, बिना बोले एक दिन, बिना आँखों के एक दिन आदि।

1012. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त अन्य कविता, कहानी, एकांकी को पढ़ते-लिखते और मंचन करते हैं।

1013. भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे— विशिष्टशब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रयोगिक प्रयोग एवंसंरचना आदि।

1014. विविध साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण निरूपण करते हैं।

1015. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए व्याकरणिक संरचनाओं पर चर्चा/टिप्पणी करते हैं।

1016. प्राकृतिक एवं

सामाजिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी

प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं।

1017. फिल्म एवं विज्ञापनों को देखकर उनकी समीक्षा लिखते हुए, दृश्यमाध्यम की भाषा का प्रयोग करते हैं।

1018. परिवेशगत भाषा प्रयोगों पर प्रश्न करते हैं। जैसे—रेलवे

स्टेशन/एयरपोर्ट/बस स्टैंड, ट्रक, ऑटो रिक्शा पर लिखी कई

भाषाओं में एक ही तरह की बातों पर ध्यान देंगे।

1019. अपने परिवेश को बेहतर बनाने की कोशिश में , सृजनात्मकलेखन करते हैं। जैसे— क्या-क्या रिसाइकलिंग कर सकते हैंऔर पेड़ों को कैसे बचाएँ।

1020. हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी के प्रति अपना रुझान व्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त कलात्मक संदर्भों/भाषिक

प्रयोगों को अपनी भाषा में जोड़कर बोलते-लिखते हैं|

प्रतिमान 1

पक्षी प्रेमी सालिम अली हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध लेखक हैं। इनको बहुत अच्छा 'बर्डवाचर' भी माना जाता है। पक्षियों की भा व भंगिमाओं को अपनी दूरबीन द्वारा निहारना इनको बहुत प्रिय रहा है। इसी क्रम में एक बार एक छोटी सी चिड़िया की कहानी बताते हुए अन्य पक्षियों के साथ उसका तुलनात्मक अध्ययन भी बताया। यह नन्ही चिड़िया नीले पंखों वाली थी। जो दिन भर इधर-उधर घूमती रहती थी । दूध भरे जुंडी के दाने खाना और बहती नदी से उड़ते-उड़ते जल पीना उसे पसंद था। वह इतनी हल्की थी जितनी एक छोटी सी पुस्तक होगी। चिड़िया प्रतिदिन अपने घोंसले से 9:00 बजे उड़ान भरती और लेखक की खिड़की पर आ बैठती। प्रतिदिन यह क्रम चलता। एक दिन लेखक के मन में विचार आया कि अगर इस नन्ही चिड़िया की उड़ान प्रतियोगिता कौआ, बाज ,कबूतर आदि अन्य पक्षियों से करवाई जाए तो इस प्रतियोगिता में कौन किस स्थान पर होगा ?

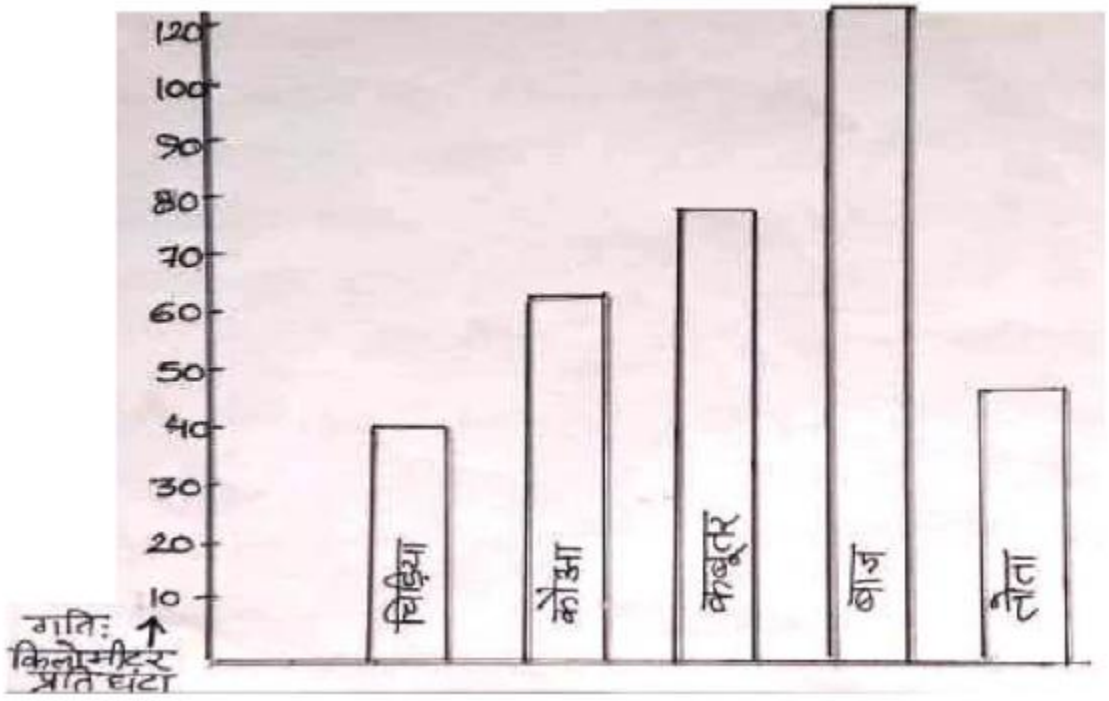

1. नन्ही चिड़िया का भार आपके अनुमान से कितना हो सकता है?

(क) 40 से 60 ग्राम (ख) 40 से 60 किलो ग्राम

(ग) 40 से 60 क्विंटल (घ) 40 से 60 टन

2. चिडिया यदि 1 घंटे में 40 किलोमीटर की दूरी तय करती है तो आधे घंटे में कितनी दूरी तय करेगी?

3. चिड़िया घोसले से सुबह 9:00 बजे उड़ी और 10 मिनट में लेखक के घर तक पहुंच गई। उसके पहुंचने का समय नीचे दी गई घड़ी द्वारा दर्शाएं।

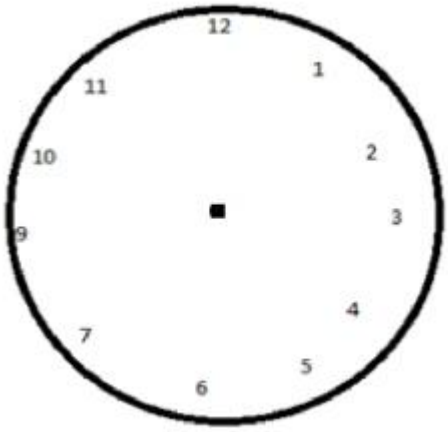

4. वर्तमान समय में पक्षियों की कम होती जा रही संख्या का क्या कारण हो सकता है?

(क) मोबाईल टावर (ख) बढ़ता प्रदूषण

(ग) उपरोक्त दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं।

5. सालिम अली के जीवन के किस पक्षी के बारे में बताया गया है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विवेचन	बहुविकल्पीय	कठिन
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक / व्याख्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	औसत

प्रतिमान -2

राम परिवार का ही नहीं, कस्बे का पहला आदमी था जिसने रोजी-रोटी के लिए पंजाब को प्रस्थान किया। गांव में घर पर पिताजी बीमार हैं, बुजुर्ग हैं, साथ ही याददाश्त भी साथ छोड़ रही है। भारतीय आदर्श परिवारों की तरह परिवार की सारी आर्थिक जिम्मेदारी का निर्वाह राम पर ही था। पिताजी के इलाज हेतु पैसे भेजने हैं , जबकि उसका वेतन महीने की 12 तारीख के बाद ही मिलता है, वह मजबूरी में कुछ लोगों से उधार लेता है। विश्वनाथ उसे ₹2000 रूपये के नोट देता है, जिससे उसकी जरूरत पूरी नहीं होती। परिणामस्वरुप वह अपने मैनेजर से कहता है तो वह पूरे रौब के साथ कि , "तनख्वाह से पैसे काट लूं गा,कहकर मात्र ₹800 रूपये ही देता है। धौंस अलग से जमाता है, वह उदास होता है किंतु हताश नहीं, हाथ पैर मारना चाहता है। पिता जो हैं, अपनत्व जो है। वह अपने साथी कर्मचारी गंगा प्रसाद से पूछता है, जहां उम्मीद जगती है कि कुछ बात और भी बन सकती है और वह बारह सौ रुपए देता है। 1200 रुपए देते समय वह कहता है कि मै अपनी पत्नी से बात करके आपकी और मदद कर सकता हूं। परिणामस्वरूप वह उसी दिन ₹500 रूपये का नोट देता है। राम उसका ही नहीं सभी मदद करने वालों का धन्यवाद करता है और खुशी -खुशी पैसा गांव भेजने के लिए बैंक को प्रस्थान करता है। यह त्रासदी राम की न हो करके तमाम कामगार, प्रवासी लोगों की है, जो आज राम पर आई है, कल जमुना पर आएगी, परसों गुलाबों पर भी आएगी, क्या यही उनकी नियति है?

1- गांव में बीमार बुजुर्ग कौन है?

2- पैसे उधार देते समय धौंस कौन जमाता है?

3- उपरोक्त गद्यांश की आधार पर राम को कुल कितने रुपए मिले , उसने किस-किसका धन्यवाद किया?

4- रुपए भेजने का माध्यम था-

1- डाकखाना ख- गांव का कोई आदमी ग- पे०टी०एम घ- बैंक

5- फॉर्म में रह गई कमियों को पूरा करो।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
4	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहु विकल्पीय	औसत
5	विवेचन	तुलनात्मक	कठिन

प्रतिमान -3

(लुई ब्रेल 1809 से 1852)

दृष्टिबाधितों के लिए ज्ञा न के क्षितिज में जो नवीन आयाम जुड़ा उसके लिए संत लुई ब्रेल को असीम श्रेय जाता है। उन्होंने स्पर्श लिपि का विकास लगभग 185 साल पूर्व किया था। जिसका दृष्टिबाधितों के शिक्षण -प्रशिक्षण में, पढ़ने वा लिखने में सशक्त माध्यम के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। लुई ब्रेल का जन्म 4 जनवरी 1809 को फ्रांस में पेरिस के कुबरे नामक गांव में हुआ था। यह अपने माता-पिता की तीसरी संतान थे यह जन्म से दृष्टिहीन नहीं हुए बल्कि 3 वर्ष की छोटी आयु में दुर्घटना के कारण अपनी दृष्टि खो बैठे। सन 1829 में इस लिपि का प्रथम संस्करण तैयार किया और द्वितीय संस्करण 1834 में अंतिम रूप से प्रकाशित किया। लुई ब्रेल के नाम पर ही इस लिपि को ब्रेल लिपि कहा जाता है। मात्र 43 वर्ष की अवस्था में 6 जनवरी 1852 को लुई ब्रेल का देहावसान हो गया। ब्रेल लिपि की विशेषता- ब्रेल लिपि उभरे हुए बिंदुओं की वह प्रणाली है जो मात्र छह बिंदुओं के विभिन्न समूहों से बनी है।

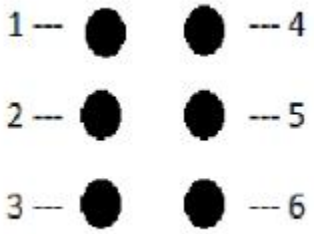

इन बिंदुओं का अपना निश्चित स्थान तथा उनका अपना संख्या क्रम है। उपरोक्त छह बिंदुओं के कोष्ठ में तीन बिंदुओं की एक खड़ी पंक्ति बाईं ओर है जिसमें क्रमशः बिंदु संख्या एक , संख्या दो और बिंदु संख्या 3 है। इसके दाहिने ओर तीन बिंदुओं की दूसरी खड़ी पंक्ति है , जिसमें क्रमशः बिंदु संख्या 4, बिंदु संख्या 5 और बिंदु संख्या 6 स्थित है। इन छह बिंदुओं के अलग-अलग समूह बनते हैं; जिनकी आकृति स्पर्श द्वारा अलग-अलग प्रतीत होती है। इन छह बिंदुओं के प्रकोष्ठ से अधिक से अधिक 63 प्रतिरूप बनते हैं। इन 63 चीजों पर ही विश्व की समस्त भाषाएँ ब्रेल मे उपलब्ध हैं, व पढ़ी लिखी जाती हैं।

1- लुई ब्रेल का जन्म कहां और कब हुआ?

2- कितने वर्ष की आयु में ब्रेल लिपि का द्वितीय संस्करण प्रकाशित हुआ?

3- जब एक बिंदु से एक प्रकोष्ठ बनता है तो सभी छह बिंदुओं के प्रकोष्ठ से कितने प्रतिरूप बनेंगे?

4- विश्व की कौन सी और कितनी भाषाएं ब्रेल में पढ़ी और लिखी जा सकती हैं?

5- दिव्यांग बच्चों के प्रति आपका क्या नजरिया होना चाहिए?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
3	विवेचन	तथ्यात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
5	सृजन	वर्णनात्मक	औसत

प्रतिमान -4

मोबाइल फोन से स्वास्थ्य को खतरा
सुनवाई पर प्रभाव
३७% मोबाइल फोन उपभोक्ताओं को कानो में झनझनाहट हो सकती है और प्रतिदिन १० मिनट के इस्तेमाल से यह बढ़कर ७१% हो सकती है।
इसका कोई इलाज नहीं है।
श्रवण सुनवाई के ट्यूमर (श्रवण तंत्रिका)
दिमाग पर असर
बच्चों पर इसका असर अधिक है क्योकि उनकी खोपडी पतली होती है।
5 साल के बच्चे की खोपड़ी मोटाई 1/2 मिलीमीटर
दिमाग
खोपड़ी
10 साल के बच्चे की खोपड़ी मोटाई 1 मिलीमीटर
युवा की खोपड़ी मोटाई 2 मिलीमीटर
अवशोषण मात्रा
4.49W/Kg
3.2W/Kg
2.93W/Kg
ज्यादा मोबाइल के उपयोग से यह भी हो सकते है:-
सरदर्द
रक्त मस्तिष्क बाधा में तोड़
दिमाग का ट्यूमर
पेसमेकर्स में दखल अंदाजी
DNA में बदलाव या क्षति
·नींद पूरी न होना
·सूखी आंखे और धुँधलापन
·शुक्राणु संख्या में कमी
·गर्भवस्था में बच्चों में व्यवहार विकार
मोबाइल फोन आपका ध्यान बटा रहा है
4X
23X
मोबाइल फोन से बात करने से वाहन दुर्घटना के अवसर 4 गुना बढ़ जाते है।
लगातार संदेश भेजने से दुर्घटना के अवसर 23 गुना बढ़ जाते है।

1- प्रतिदिन 10 मिनट के इस्तेमाल से यह बढ़कर 71% हो सकती है। यहां 'यह' क्या है?

1 उपभोक्ता 2 मोबाइल 3 झनझनाहट 4 इलाज

2- चित्र के आधार पर 4.49 किलोग्राम अवशोषण की मात्रा कितने साल के और किसकी खोपड़ी से संबंधित है?

3- 23 गुना और चार गुना दुर्घटना के अवसर क्रमशः किस कारण से बढ़ जाते हैं?

4- सामाजिक विघटन में मोबाइल फ़ोन किस प्रकार प्रमुख उत्तरदायी कारक है?

5- मोबाइल फोन के उपरोक्त दुष्प्रभावों में से आप किसे अधिक खतरनाक मानते हैं, और क्यों?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	सृजन	तार्किक	कठिन
5	विवेचन	तुलनात्मक	कठिन

प्रतिमान -5

हेल्मेट पहने - अपने सिर को बचाएं

दिमाग हमारे तंत्रिका तंत्र का मूल हिस्सा है। सुरक्षित खोपड़ी के अंदर तीन कवरिंगस से सुरक्षित होता है- इयूरा मेटर, अर्कनोइड मेटर और मृदुतानिका

मस्तिष्क की चोट

मौत और विकलांगता के सामान्य कारण

इयूरा मेटर- इसकी आपूर्ति middle meningeal artery द्वारा होती है जो खोपढ़ी के हिस्सों के नीचे होती है।

प्टेरिओन - चिकित्सकीय के हिसाब से यह खोपढ़ी का महत्वपूरण हिस्सा है। जहां frontal, parietal, temporal और sphenoid हड़ियाँ आकर मिलती हैं।

क्या होता है जब किसी हेलमेट पहने व्यकित का दुपहिया वाहन दुर्घटना में सिर सड़क पर लगता है?

Extradural Hematoma

- बाह्य रक्तस्त्राव (ईएच) की ओर जाता है
- ईएच खोपड़ी के पक्ष में हड्डियों के फ्रैक्चर के साथ आमतौर पर विकसित होता है (पाइटरियन) जो कि बीच में मेनिंगियल धमनी, जिससे खोपड़ी और इयूरा मेटर के बीच रक्त का संग्रह होता है।

- यह एक घातक स्थिति है क्योंकि रक्त के थक्का पर दबाव डाला जाता है अंतर्निहित मस्तिष्क (सेरेब्रल कॉर्टेक्स) और मेडुला आयताकार (हृदय, वासोमोटर और श्वसन केंद्र) जिसके परिणामस्वरूप मौत होती है।

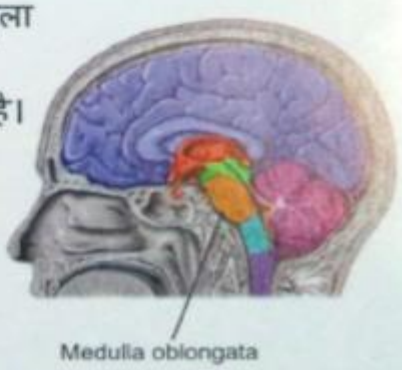

1- गद्यांश में प्रमुख बात है-

1-हेलमेट की खरीद 2- हेलमेट और सिर की सुरक्षा

2-तंत्रिका तंत्र 4- खोपड़ी

2-मौत और विकलांगता के सामान्य कारण है-

1-चोट 2- कवरींग्स

3-मृदुतानिका 4- मस्तिष्क की चोट

3- किस दशा मे वाह्य रक्तस्राव ई०एच की ओर जाता है?

4- हेलमेट खरीदते समय क्या-क्या सावधानियां रखेंगे?

5- ड्यूरामेटर और खोपड़ी के बीच रक्त संग्रह की प्रमुख धमनी है-

1- प्टेरिओन 2- मृदुतानिका 3- मेनिंगियल 4- मेडूला

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
2	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
4	सृजन	तार्किक	कठिन
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	कठिन

प्रतिमान -6

भूमंडलीय ऊष्मण जिसे अंग्रेजी में 'ग्लोबल वार्मिंग' कहते हैं, आज धरती पर सबसे भयानक संकट है। भूमंडलीय ऊष्मण का अर्थ है पृथ्वी के तापमान में ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ता प्रभाव, जिससे पृथ्वी का वातावरण दिनों-दिन गरमाता जा रहा है। भूमंडलीय ऊष्मण अर्थात ग्लोबल वार्मिंग के पीछे ग्रीन हाउस प्रभाव का विशेष योगदान है। सरल शब्दों में उसका अर्थ है पृथ्वी के वायुमंडल में कुछ विशेष गैसों की मात्रा का अधिक बढ़ जाना, जिसके प्रभाव से धरती से गर्मी बाहर ना निकल सके । इन गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड ,मिथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, क्लोरोफ़्लोरोकार्बन और जलवाष्प प्रमुख हैं। भूमंडलीय ऊष्मण में कार्बन डाइऑक्साइड का सर्वाधिक योगदान है। वैज्ञानिकों के अनुसार 2050 तक कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा दोगुनी हो जाएगी और इससे पृथ्वी का औसत तापमान 1 से 35 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना है। संपूर्ण विश्व के मौसम में अद्भुत परिवर्तन हो रहे हैं। चीन के कुछ इलाकों में बाढ़, रूस में लू का चलना, ऑस्ट्रेलिया के कुछ भागों मे सूखा पड़ना, यूरोप के कुछ हिस्सों में बाढ़ के कारण जानमाल की अपूरणीय क्षति 'ग्लोबल वार्मिंग' के ही परिणाम हैं, साथ ही ओज़ोन परत का क्षरण भी एक ज्वलंत समस्या है। ओजोन परत धरती के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करती है। भूमंडली उष्मण से ग्लेशियरों का पिघलना शुरू हो चुका है और इससे अनेक वनस्पति और जीव जंतुओं का अस्तित्व संकट ग्रस्त हो गया है। हमारी कृषि पर भी इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है। अतः ग्लोबल वार्मिंग अथवा भूमंडलीय ऊष्मण के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए जीवाश्म ईंधन की खपत को कम करना चाहिए। वनों की अंधाधुंध कटाई न करके वृक्षारोपण करना चाहिए, तथा पवन और सौर ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए ताकि वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा कम हो।

1. भूमंडलीय ऊष्मण से आप क्या समझते हैं?
2. ग्रीन हाउस प्रभाव क्या है?
3. ग्लोबल वार्मिंग के कुछ परिणाम लिखें व इसे कम करने के लिए आप क्या कदम उठाएंगे?
4. यदि विश्व मे 2018 मे कार्बनडाई ऑक्साइड की कुल मात्रा 38.2 बिलियन टन थी तो 2050 में यह मात्रा अनुमानत: कितनी हो जाएगी ?
5. ओज़ोन परत का हमारे जीवन मे क्या योगदान है ?
6. जीवाश्म ईंधन क्या होता है ? इसके बदले में कौन से ईंधन का उपयोग पर्यावरण हेतु सुरक्षित माना जाएगा?
7. ग्लेशियर कहाँ होते हैं? ये हमारे जीवन और कृषि के लिए क्यों उपयोगी हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	रचनात्मक	औसत
4	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	कठिन
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
6	सृजन	वर्णनात्मक	कठिन
7	सृजन	तार्किक	कठिन

प्रतिमान -7

- दंड आलेख में नदियों के लंबाई किलोमीटर में बताई गई है उस के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दें :

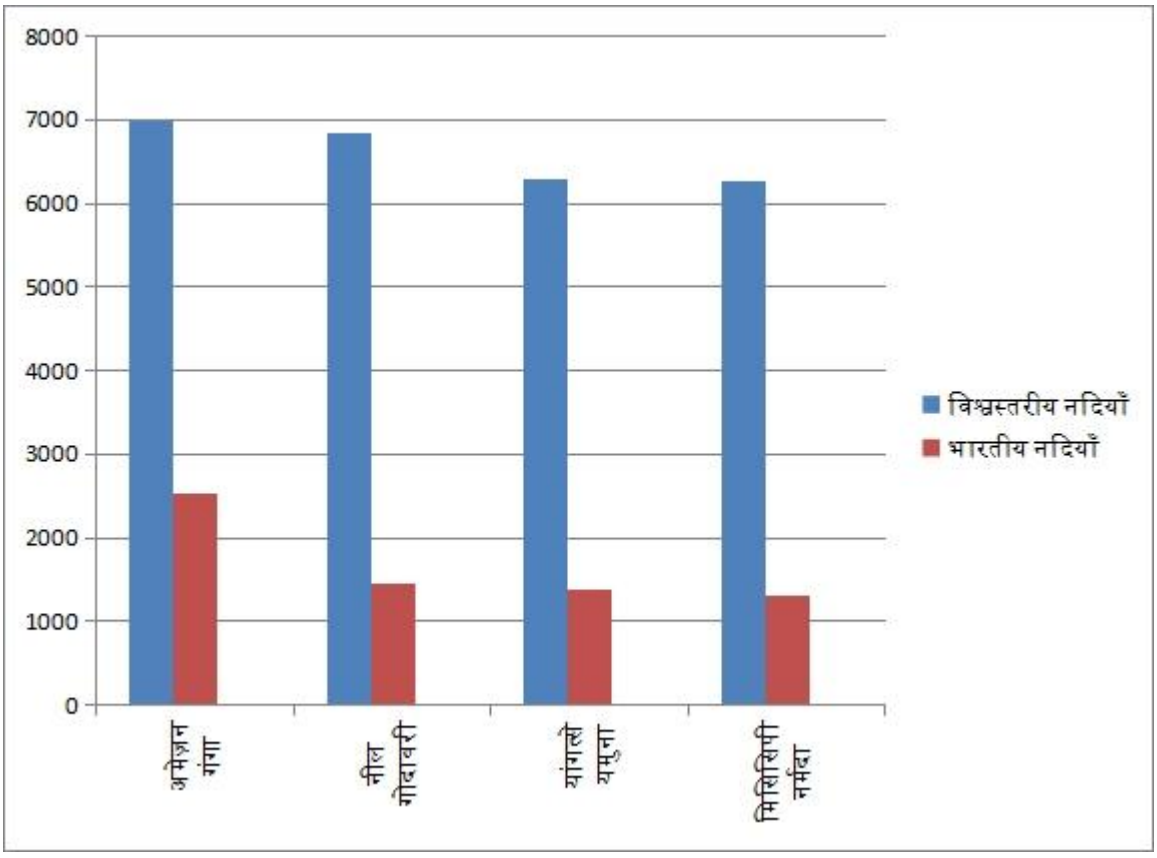

1. विश्व की सबसे लंबी नदी कौन सी है?
2. दंड आलेख के आधार पर भारत की सबसे छोटी नदी का नाम बताएं?
3. एक समुद्री जहाज 27 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलता है। यदि वह अमेज़न नदी को पार करने की शुरुआत सुबह 4:00 बजे से करता है तो बताएं उसे अमेज़न नदी के अंतिम छोर तक पहुंचने में कितना समय लगेगा?

   क) 150 घंटे ख) 220 घंटे

   ग) 259 घंटे घ) 274 घंटे
4. दंड आलेख को ध्यान मे रखते हुये अमेज़न नदी तथा गोदावरी नदी की लंबाई मे अंतर ज्ञात करें।

5. भूमिगत जल स्तर निरंतर गिरता जा रहा है। आपके विचार से भविष्य में इस संबंधी किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	सृजन	तार्किक	औसत

प्रतिमान -8

आज मनुष्य खेल के महत्व को नकार नहीं सकता। आज के युग में खेल, जीवन की नियमित आवश्यकता बन चुका है। खेलता हुआ बालक ही हमें सबसे अधिक भाता है। उसकी यही खेलकूद वाली गतिविधि उसकी मांसपेशियों को निरंतर सशक्त और हृष्ट-पुष्ट बनाने में सहायक होती है। खेल हमारे जीवन को सदैव प्रसन्न बनाए रखते हैं। इनसे व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। यह हमारे तन और मन दोनों का समुचित विकास करते हैं। खेलने से शरीर में चुस्ती-स्फूर्ति बनी रहती है। जिस प्रकार हमारे मानसिक विकास के लिए शिक्षा की आवश्यकता होती है उसी प्रकार स्वस्थ शारीरिक गठन के लिए खेल भी आवश्यक है। खेलों के माध्यम से व्यक्ति विशेष में क्षमा, दया, स्वाभिमान, आज्ञा-पालन तथा अनुशासन जैसे उच्च गुणों का समावेश होता चला जाता है। यहाँ तक कि सामूहिक रूप से खेल को खेलते-खेलते व्यक्ति में समरसता का भाव गहराई तक अपनी जड़ें फैलाता जाता है, जो कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए अत्यंत आवश्यक है। हालांकि पहले के समय में लोग खेल को इतना महत्व नहीं देते थे। उनके अनुसार खेल समय की बर्बादी का ज़रिया था लेकिन आज हर व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल चुका है। आधुनिक समाज खेल की उपयोगिता से अवगत है। आज लोग खेलों को अपना पेशा भी बनाने लगे हैं। आज खेलों की दुनिया में तेंदुलकर, पेल, माराडोना, गावस्कर, सानिया मिर्ज़ा आदि अनेक ऐसे नाम हैं जो आज के युवा वर्ग के लिए मिसाल बनकर उपस्थित हुए हैं। खेलों के महत्व की चर्चा करते हुए हमें यह बात बिल्कुल भी नहीं भूलनी चाहिए कि खेलों के द्वारा ही व्यक्ति रंग-भेद, जाति, धर्म आदि बातों को भुलाकर भावनात्मक धरातल पर एक-दूसरे से जुड़ता ही चला जाता है। इसी समरसता की भावना में डूबकर व्यक्ति लंबी आयु का वरदान प्राप्त करता है।

निम्नलिखित ग्राफ ने चंडीगढ़ शहर के लड़के और लड़कियों द्वारा खेले गए खेल का विवरण (%में) है

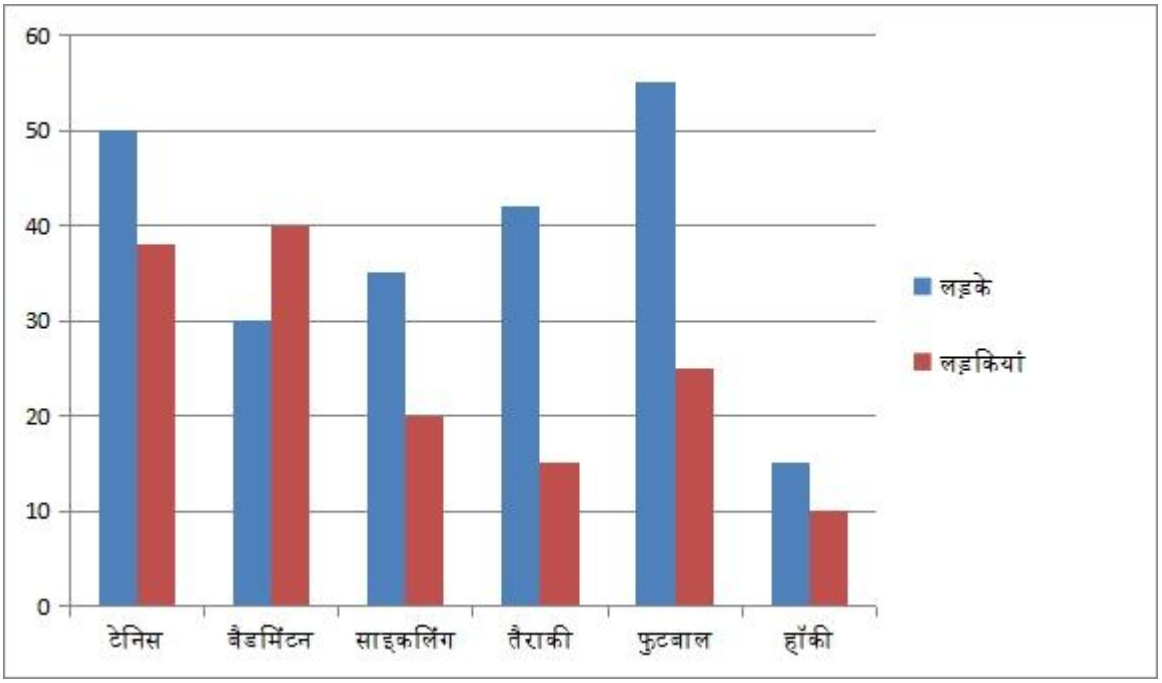

1. भारत का राष्ट्रीय खेल किसे कहा जाता है ?
2. साइकलिंग करते समय हमें कौन-कौन सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए? कोई दो सावधानियाँ लिखिए।
3. खेलों के माध्यम से कौन-कौन से नैतिक गुणों का विकास हो सकता है?
4. बार ग्राफ के अनुसार लड़कों का सर्वाधिक प्रिय खेल और लड़कियों का सर्वाधिक प्रिय खेल कौन-कौन से है।

क) टेनिस, तैराकी　　ख) फुटबॉल, बैडमिंटन

ग) साइकलिंग, टेनिस　　घ) फुटबॉल, तैराकी

5. आपकी कक्षा में 18 लड़कों का प्रिय खेल क्रिकेट है और 12 लड़कियों का प्रिय खेल बैडमिंटन है। कक्षा में कुल विद्यार्थियों की संख्या ज्ञात करें, यदि बैडमिंटन खेलने वाली लड़कियाँ कक्षा की मात्र 20% है।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2	विवेचन	व्याख्यात्मक	औसत
3	सृजन	रचनात्मक	औसत
4	सृजन	बहुविकल्पीय	औसत
5	सुचना की पुनः प्राप्ति	तार्किक	कठिन

प्रतिमान 9

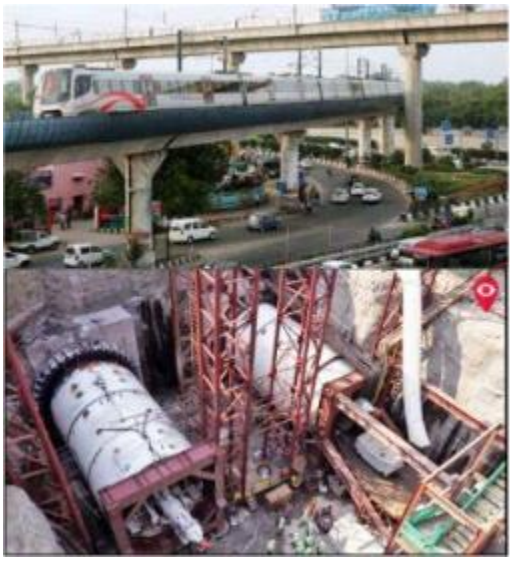

मेट्रो रेल के लिए ज्यादातर सुरंगे आवासीय इमारतों के नीचे बनाई जा रही हैं। इन इमारतों को सुरंगों के निर्माण से किसी तरह का नुकसान न हो इसके लिए हर इलाके में संरचनात्मक सर्वे करवाया जाता है। हर इमारत की नींव की जाँच के लिए उन पर निगरानी रखी जाती है। एक मॉनिटर इमारत के व्यवहार की जाँच करता है। नियमित रूप से रीडिंग की जाँच की जाती है ताकि नगरीय जीवन सुचारू रूप से चलता रहे। सुरंग बनाने से पहले इंजीनियर निर्माणाधीन इलाके को रिंगों के साथ सुरक्षित करते हैं, जो एक दूसरे को सहारा देते हैं और लंबा सीमेंट का ढाँचा बनाते हैं, जो एक खंबे की तरह दिखते हैं। ये खंबे खोखली जगह को घेर लेते हैं। इसे पाईलिंग कहा जाता है। पाईलिंग यह सुनिश्चित करता है कि सुरंगों का निर्माण आसपास के इलाके को प्रभावित तो नहीं कर रहा है। ढाँचे को दबाव का विरोध सहने लायक बनाने के लिए कंक्रीट को लोहे की छड़ों के साथ इस्तेमाल किया जाता है, जिसे टेक कहते हैं। खुदाई के समय चट्टानों को काटने के लिए अलग तरह की ब्लेड वाली मशीनों का प्रयोग किया जाता है। टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के अंदर सुरंग खोदती है। टुकड़ों में लाई गई टीबीएम को निर्माणाधीन इलाके में लाकर जोड़ा जाता है और खुदाई का काम शुरू हो जाता है। खुदाई के बाद सीमेंट के ढाँचे सुरंग के अंदर डाले जाते हैं। टीबीएम का लक्ष्य बिना किसी शारीरिक श्रम के भूमिगत सुरंग बनाना है। जहाँ चट्टान होती है, वहाँ खुदाई के बाद स्टील का पाइप मेहराब को एक साथ थाम लेता है ताकि वह ढह ना जाए। जमीन की दरारों को विशेष प्रकार से तैयार किए गए सीमेंट के गारे से भर दिया जाता है,

जिसे ग्राउट कहा जाता है। इस प्रकार आवश्यकता के अनुसार पूरी सुरंग तैयार कर ली जाती है, और मेट्रो ट्रेन को रास्ता मिल जाता है।

1. सुरंगों के ऊपर की जमीन धंस ना जाए इसके लिए क्या व्यवस्था की जाती है?
2. मेट्रो ट्रेनों के लिए सुरंगों की आवश्यकता क्यों पड़ती है? इसके क्या लाभ हैं?
3. मेट्रो ट्रेन यातायात के साधनों में एक क्रांतिकारी परिवर्तन है। कैसे?
4. रिक्त स्थान भरे
    1) निर्माणाधीन इलाके को ..... के द्वारा सुरक्षित किया जाता है।
    2) खोखली जगह को घेरने वाले खंबे ..... कहलाते हैं।
    3) इमारत के व्यवहार की जाँच ..... के द्वारा की जाती है
    4) टीबीएम का प्रयोग बिना ..... के भूमिगत सुरंग बनाना है।
5. यदि एक रिंग की त्रिज्या 100 किलोमीटर है तो रिंग का घेरा कितना होगा?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	कठिन
3	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत
4	सूचना की पुनः प्राप्ति	रिक्त स्थान	सरल
5	विवेचन	तार्किक	औसत

प्रतिमान -10

आज कक्षा में बहुत हलचल थी। ट्रैफिक नियमों को लेकर सभी बच्चे चर्चा कर रहे थे। ट्रैफिक के नियम बहुत सख्त कर दिए गए थे। अध्यापक ने कक्षा में प्रवेश किया। अभिवादन के बाद सभी अपनी-अपनी सीट पर बैठ गए। अध्यापक ने बच्चों को पुस्तक निकालने का आदेश दिया। गगन अपनी सीट पर खड़ा हो गया और अध्यापक से बोला,"सर, मुझे आपसे कुछ पूछना है" अध्यापक ने कहा, " हाँ-हाँ क्यो नहीं, पूछो।" गगन बोला,"सर सुबह स्कूल आते वक्त मेरे पिताजी ने स्कूटर साइड में रोक दिया क्योंकि एक एंबुलेंस बड़ी तेजी से आ रही थी। कुछ लोग ग्रीन कॉरीडोर की बात भी कर रहे थे। मुझे समझ में ही नहीं आया कि पापा रुक क्यों गए थे।" अध्यापक ने बताया कि एंबुलेंस को पहले निकलने देना चाहिए। ऐसा न करने पर मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 194ई के तहत कार्यवाही की जा सकती है। इसमें कारावास के साथ 10,000 रूपए का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। वह बोला, "सर, एंबुलेंस को पहले रास्ता क्यों देना चाहिए?"

अध्यापक ने बताया कि एंबुलेंस मरीज को लेकर डॉक्टर तक जाती है। यह समय किसी की जिंदगी और मौत से जुड़ा होता है। देरी किसी की मौत का कारण हो सकती है। जल्दी से जल्दी मरीज डॉक्टर के पास पहुँच जाए इसलिए एंबुलेंस को पहले रास्ता दिया जाता है। गगन बोला,"यह ग्रीन कॉरिडोर क्या है सर?" अध्यापक ने बताया," जब किसी के द्वारा अंग दान किया जाता है और उसे दूसरे शहर भेजा जाता है, तब ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाता है। इसमें ट्रैफिक पुलिस से सहायता ली जाती है। सड़कों पर चल रहे यातायात को कुछ समय के लिए रोक दिया जाता है। आज की यह बात मुझे भी पता चली थी। मैं भी सुबह उसी रास्ते से स्कूल आ रहा था। पीजीआई में एक महिला के द्वारा दान किए गए हृदय को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जयपुर को भेजा गया था। पीजीआई से एयरपोर्ट की दूरी 23 किलोमीटर है, जिसे पार करने में लगभग 40 मिनट लग जाते हैं पर ग्रीन कॉरिडोर से यह दूरी महज 18 मिनट में ही पूरी हो गई। इसमें ट्रैफिक को नियंत्रण में किया गया था। एंबुलेंस ट्रैफिक जाम में न फंसे, इसलिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था। तुम्हारे पापा को इसीलिए रुकना पड़ा होगा।"

रतन बोला," सर, अंगदान क्या है यह भी बताओ।" "तुमने भी बड़ी अच्छी बात पूछी है।" अध्यापक ने कहा। उन्होंने बताना शुरू किया कि अंगदान मानव शरीर के अंगों का दान होता है।

कुछ लोग मरने के बाद अपने अंगों का दान करने की आज्ञा दे देते हैं और कुछ लोगों की मृत्यु के बाद उनके परिवार वालों की सहमति से अंग दान कर दिया जाता है। इसका यह फायदा होता है कि जो लोग बीमारी से जूझ रहे होते हैं, उनको यह दान किए गए अंग ट्रांसप्लांट कर दिए जाते हैं, मरने वाला तो मर जाता है परंतु दान किए हुए अंग पाकर बीमार व्यक्ति को नई जिंदगी मिल जाती है। यह एक पुण्य का काम है। वैसे तो कुछ कृत्रिम अंग भी बाजार में मिलते हैं, परंतु मानव शरीर के हर अंग कृत्रिम नहीं बनाए जा सकते। कुछ बीमारियों का इलाज़ दवाओं के द्वारा हो जाता है, परंतु कुछ बीमारियों को ठीक करने के लिए अंगों को ही बदलना पड़ता है, जो मानव अंग से ही प्राप्त होते हैं।

सभी बच्चे बड़े ध्यान से अध्यापक की बात सुन रहे थे। कुछ बच्चे खड़े हुए और बोले," सर, हम भी अपने अंगों का दान करने की शपथ लेते हैं और अपने घर में भी इस बात को बताएंगे।" सभी बच्चों में बहुत उत्साह था।

1. गगन ने अध्यापक से क्या प्रश्न पूछा और अध्यापक ने उसका क्या जवाब दिया?
2. एंबुलेंस को रास्ता न देने का क्या परिणाम हो सकता है?
3. ग्रीन कॉरिडोर क्या है?
4. अंग दान करना पुण्य का कार्य कैसे हैं?
5. यदि एंबुलेंस 24 किलोमीटर की दूरी 40 मिनट में तय करती है तो वह एक मिनट में कितनी दूरी तय करेगी?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	तार्किक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	तुलनात्मक	औसत
5	विवेचन	तार्किक	कठिन

प्रतिमान -11

विद्यालय की प्रार्थना सभा में अध्यापिका जी ने घोषणा की कि सभी विद्यार्थियों को बैंकों में खाता खुलवाना अति आवश्यक हैं। सभी शीघ्र-अतिशीघ्र खाता संख्या अपने कक्षा अध्यापिका को जमा करवा दें। दीपक अपनी माता जी के साथ पहली बार अपने क्षेत्र के यूनियन बैंक में गया। जो घर से लगभग छह किलोमीटर की दूरी पर था। बैंक में सुबह लगभग साढ़े नौ बजे पहुँचने पर उन्हें यह समझ आया कि वे बैंक के समय से पहले ही पहुँच गए हैं। स्टाफ़ के कर्मचारी 9:55 से 10:00 बजे तक वहाँ पहुँच गये। वहाँ की सफ़ाई देखकर दीपक चकित रह गया। बैंक की दीवारों पर नई योजनाओं के लगे पोस्टर तथा उक्तियाँ पढ़ने लगा। एक उक्ति उसे बहुत भा गई ,“मस्त रहो,स्वस्थ रहो।”

“मंज़िल उन्हें ही मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है।

पंख तो सब के होते हैं, हौंसलों से ही उड़ान होती है।”

दीपक सोचता था कि सेना देश की रक्षा व सेवा करती है, आज बैंक जाकर उसे यह भी पता लगा कि देश की सच्ची सेवा में यहाँ भी अप्रत्यक्ष रूप से कर्मचारी कार्यरत हैं। दीपक वहाँ का दृश्य देखकर उत्सुक, आश्चर्यचकित व रोमांचित हो रहा था। कैबिन में बैठे बैंक कर्मचारी बड़ी सतर्कता से अपने-अपने काम में जुटे हुए थे। एक कैबिन के सामने लंबी पंक्ति लगी हुई थी,उन लोगों के हाथों में रुपयों की गड्डियाँ, एक पर्ची व कुछ चैक लिये हुए थे। दीपक ने नया खाता खुलवाने का फ़ॉर्म लिया, उसे भरकर जमा करवा दिया। उसने जमा पर्ची ली और पैसे भी जमा करवा दिये। जमा पर्ची का विवरण इस प्रकार है:-

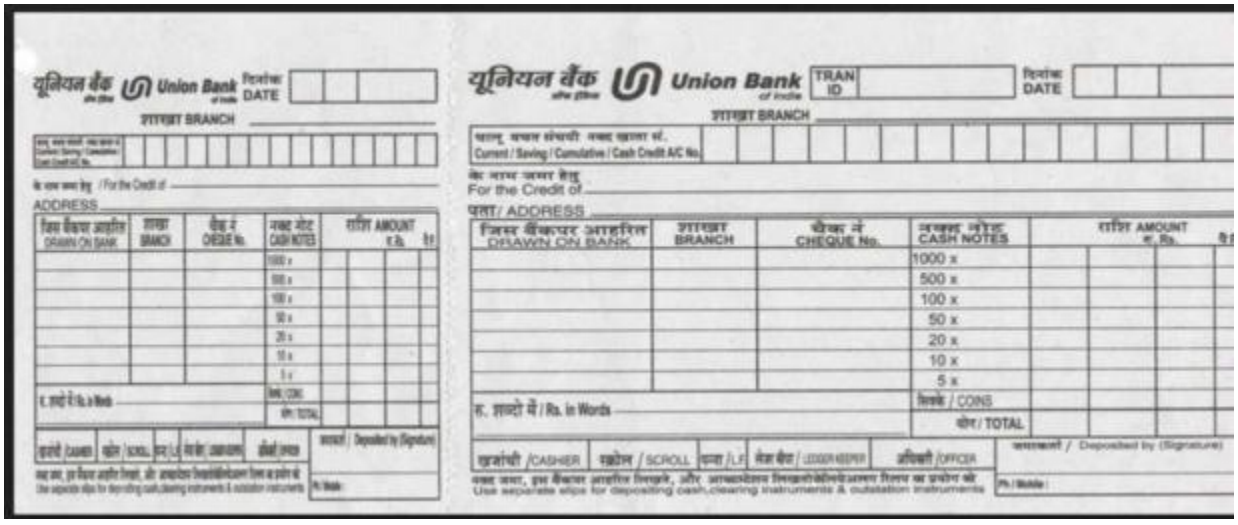

1. बैंकों के खुलने व बंद होने का समय सामान्यत: क्या होता है?

2. कोई भी काम करते समय निम्न में से कौन सी अवस्था अनुचित है?

क) तन्मयता ख) सतर्कता

ग) असावधानी घ) सजगता

3. मान लो, एक व्यापारी के पास रू2000 की 5 गड्डियाँ, रू500 की 6 गड्डियाँ, रू200 की 7 गड्डियाँ, तथा रू100 की 8 गड्डियाँ थीं, तो उसने कुल कितने पैसे बैंक में जमा करवाए?

4. यदि आपने बैंक में इस वर्ष 5000 रुपये जमा करवाए। ब्याज दर 6% के हिसाब से आप को अगले वर्ष कितनी धनराशि प्राप्त होगी?

5. जमा करने पर पूंजी बढ़ती है, यह बैंक जाकर दीपक को पता चला। जमा करने का क्या महत्त्व होता है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	सामान्य ज्ञान	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
3	तार्किकता	तथ्यात्मक / व्याख्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

प्रतिमान -12

1. CO2 कौन-सी गैस है?

   क) कार्बन मोनोऑक्साइड

   ख) कार्बन हाइड्रो ऑक्साइड

   ग) कार्बन डाइऑक्साइड

   2. रिक्त स्थान भरें:-

   क) एक पेड़ _____ किलोग्राम तक कार्बन डाइऑक्साइड सोख सकता है।

   ख) एक विकसित पेड़ प्रदूषित हवा से 108 किलोग्राम तक _____ सोख सकता है।

   ग) एक पेड़ _____प्रतिशत तक_____ कम कर सकता है।

3. पेड़ बारिश करवाने में किस प्रकार सहायता करते हैं?

4. पेड़ मिट्टी में से कौन-सा जहरीला पदार्थ नहीं सोखता है?

क) पारा ख) लिथियम ग) लेड घ) कोयला

5. एक पेड़ एक वर्ष में 100 किलोग्राम ऑक्सीजन देता है, जबकि एक व्यक्ति को एक वर्ष में 740 किलोग्राम ऑक्सीजन की ज रूरत होती है। बताइए कि 10 व्यक्तियों को कितने पेड़ लगाने चाहिए उनकी वर्ष भर की जरूरत पूरी हो जाए।

क) 740 ख) 7400 ग) 170 घ) 74

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	सरल
2	विवेचन	रचनात्मक	सरल
3	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	कठिन
4	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	सरल
5	अनुप्रयोग	तार्किक	औसत

प्रतिमान -13

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 24 अक्तूबर,1945 में हुई। संयुक्त राष्ट्रसंघ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यह अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों को सुविधाजनक ब नाने के लिए सहयोग और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा , आर्थिक विकास , सामाजिक प्रगति, मानव अधिकार और विश्व शांति के लिए कार्यरत है। UNO की स्थापना को 24अक्तूबर, 1945 को 50 देशों के अधिकारपत्र पर हस्ताक्षर के साथ हुई। द्वितीय विश्वयुद्ध में विजेता ये चाहते थे कि भविष्य में फिर कभी इस विश्व युद्ध की तरह युद्ध न उभरे। संयुक्त राष्ट्र संघ की संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका , फ्रांस, रूस, चीन और यूनाइटेड किंगडम अहम देश थे। आज इसमें 193 देश हैं। इसमें छ : भाषाओं को राजभाषा स्वीकृत किया है। ये भाषाएँ हैं : अरबी, चीनी, अंग्रेज़ी, फ़्रांसीसी, रूसी व स्पेनी। केवल दो भाषाओं अंग्रेज़ी और फ्रांसीसी को ही संचालन भाषा माना जाता है। भाषाओं के बारे में UNO में विवाद उठता रहता है। इस का मुख्यालय न्यूयॉर्क में है। वर्ष 1947 में UNO के ध्वज को अंगीकृत किया गया। संयुक्त राष्ट्र के वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेश पुर्तगाल के हैं, इन्होंने 1 जनवरी 2017 को अपना कार्यकाल संभाला। संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य अंग हैं : महासभा, सुरक्षा परिषद, आर्थिक एवं सामाजिक परिषद , सचिवालय, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय। आज संयुक्त राष्ट्र विश्व के विभिन्न देशों के विवाद सुलझाता है ताकि विश्व में शांति बनी रहे तथा युद्ध जैसी स्थिति दुबारा न हो ।

1. संयुक्त राष्ट्र के वर्तमान अध्यक्ष कौन हैं ?

2. संयुक्त राष्ट्र की स्थापना क्यों की गई, निम्नलिखित में से सही पर निशान लगाए :

क) शक्तिशाली देशों को एकजुट करने के लिए

ख) विश्व में शांति स्थापित करने के लिए

ग) विश्व में डर की स्थिति पैदा करने के लिए

3. यदि UNITED NATION शब्द को

शब्द	U	N	I	T	E	D
संख्या	23	14	9	20	5	4

N	A	T	I	O	N
14	1	20	9	17	14

लिखते हैं तो INDIA शब्द के लिए उपरोक्त सारणी के आधार पर अंक संख्याएँ पता करें तथा उसका योग ज्ञात करें ?

4. इसकी स्थापना किस सदी में हुई तथा इसका मुख्यालय कहाँ स्थित है ?

5. मान लीजिए संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशन में कुल 85 देशों ने इस बार भाग लिया अब आप बताइए कुल कितने देशों ने हिस्सा नहीं लिया?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विवेचन	तथ्यात्मक	सरल
2	विवेचन	बहुविकल्पीय	सरल
3	अनुप्रयोग	तार्किक	औसत
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
5	सृजन	तार्किक	औसत

प्रतिमान -14

वर्तमान युग में मीडिया की भूमिका निरंतर बढ़ती जा रही है। मीडिया के दो रूप हैं- प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया। प्रिंट मीडिया में समाचार पत्र-पत्रिकाएँ आती हैं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रेडियो , टेलीविज़न, इंटरनेट आदि आते हैं। आजकल तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ही जनसंचार का सशक्त माध्यम बन गया है। इसमें खबरों तथा कार्यक्रमों को सुनने के साथ -साथ सचित्र देखा भी जा सकता है। इंटरनेट पत्रकारिता को ऑनलाइन पत्रकारिता , साइबर पत्रकारिता या वेब पत्रकारिता भी कहा जाता है।

वर्तमान युग में मीडिया की भूमिका निरंतर बढ़ती जा रही है। मीडिया के दो रूप हैं- प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया। प्रिंट मीडिया में समाचार पत्र-पत्रिकाएँ आती हैं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रेडियो , टेलीविजन, इंटरनेट आदि आते हैं। आजकल तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ही जनसंचार का सशक्त माध्यम बन गया है। इसमें खबरों तथा कार्यक्रमों को सुनने के साथ -साथ सचित्र देखा भी जा सकता है। इंटरनेट पत्रकारिता को ऑनलाइन पत्रकारिता , साइबर पत्रकारिता या वेब पत्रकारिता भी कहा जाता है।

इंटरनेट एक माध्यम भी है और औजार भी। इंटरनेट पर हम खबरों , लेखों, चर्चाओं, बहसों, परिचर्चाओं झलकियों , चलचित्रों, गीतों आदि का आनंद ले सकते हैं। इंटरनेट के माध्यम से विश्वव्यापी जाल में

गोते लगाए जा सकते हैं। विश्व सिकुड़ कर एक परिवार बन चुका है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की जहाँ इतनी विशेषताएं हैं , वहीं कुछ कमियाँ भी हैं। हिंसा , ठगी, अश्लील सामग्री से जहाँ युवा पीढ़ी त्रस्त है, वहीं बालमन भ्रमित हो रहे हैं। इसलिए मीडिया के प्रयोग में सावधानी बरतने की भी आवश्यकता है। आज इंटरनेट के बिना जीवन कठिन प्रतीत होने लगा है। इसकी रफ्तार का भी कोई जवाब नहीं है। यह एक अंतर-क्रियात्मक माध्यम है अर्थात आप इसमें मूकदर्शक नहीं है बल्कि आप अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं , चैट कर सकते हैं, अपना ब्लॉग बना सकते हैं, किसी बहस के सूत्रधार तक बन सकते हैं ।

प्रश्न-

1. हम यूट्यूब वीडियो के नीचे देखते हैं कि उसे कितने दर्शकों ने देखा है या उसे कितने व्यूज़ मिले हैं? यदि उसके नीचे 6 एम (6 M) लिखा हो तो वह संख्या अंको में कितनी होगी ?
2. पढ़ाई में इंटरनेट किस प्रकार सहायक हो सकता है?
3. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के गुण-अवगुण लिखिए।
4. एक बच्चा विद्यालय से लौटकर गृह कार्य निपटा कर दो घंटे टेलीविजन या मोबाइल पर बिता कर खुश हो जाता है , जबकि उसी उम्र का दूसरा बच्चा विद्यालय से लौटकर गृह कार्य करके 2 घंटे फुटबॉल खेलने चला जाता है और थक हारकर लौटता है। आपके विचार अनुसार किस बच्चे की कार्य क्षमता व स्वास्थ्य बेहतर होगा?
5. इंटरनेट की बढ़ती रफ्तार व मोबाइल फोन के बढ़ते प्रयोग से कोई भी जानकारी कुछ ही पलों में आम जनता तक जाती है । आप अपने मतानुसार लिखें कि संदेशों अथवा जानकारी को भेजने का बढ़ता प्रचलन क्या कभी समाज के लिए हानिकारक भी हो सकता है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तुलनात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	विचारात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तार्किक	औसत
4	व्यापक समझ	विवेचनात्मक	सरल
5	संकेत की समझ	विचारात्मक औसत	औसत

प्रतिमान -15

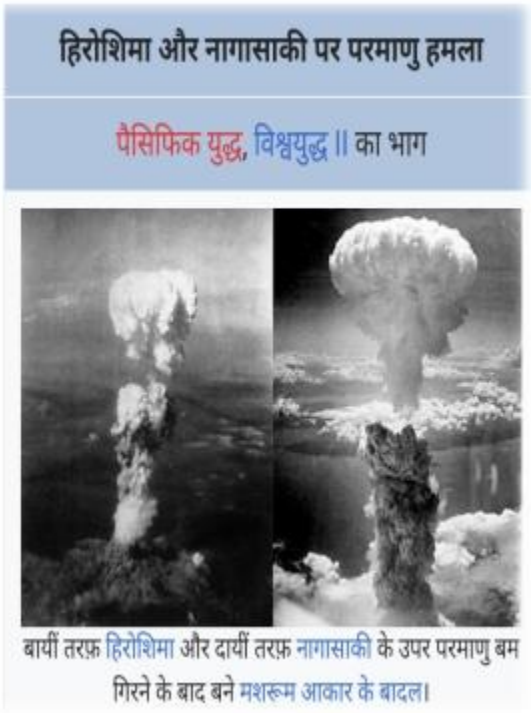

दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिका द्वारा जापान के दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बम पूरी तरह मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना थी। इस हादसे में जहां लाखों लोग मारे गए , वहीं इनसे भी ज्यादा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के शिकार होकर तिल- तिल मरने को मजबूर हुए। उनकी नस्लें आज भी इस त्रासदी को भुगत रही हैं। 6 अगस्त 1945 की सुबह 8:00 बजे अमेरिका ने हिरोशिमा पर पहला परमाणु बम 'लिटिल ब्वॉय' गिराया ।

शहर के 30% लोग तत्काल मारे गए थे। बाकी परमाणु विकिरण के कारण सालों तक मरते रहे। इसके 3 दिन बाद ही 9 अगस्त 1945 के दिन नागासाकी पर दूसरा परमाणु बम 'फैट मैन' फेंका गया था। इस युद्ध से यह हानि हुई कि इसमें 1 ब्रिटिश, 7 डच और 12 अमेरिकी युद्ध-बंदी मारे गए। जबकि हिरोशिमा में 20,000 से अधिक सैनिक मारे गए,

70,000 से 1,46,000 आम नागरिक मारे गए और नागासाकी में 39,000 से 80,000 लोग मारे गए। नागासाकी के परमाणु हमले के 6 दिन बाद राजा हिरोहित्तो ने अमेरिकी सेना के आगे आत्मसमर्पण कर दिया। यदि जापान समर्पण न करता तो अमेरिका ने 19 अगस्त को एक और शहर पर परमाणु बम गिराने की योजना बना रखी थी। बमबारी के कारण जमीनी स्तर पर लगभग 4000 डिग्री सेल्सियस तक गर्मी पैदा हुई थी। एयर फोर्स के जवानों के हमले से पहले लोगों को चेतावनी देने के लिए पर्चा भी गिराया गया था। परमाणु हमले में कुछ पुलिसवालों ने एटॉमिक चमक दिखने के बाद खास तरीके से छुपकर अपनी जान बचाई थी। इस प्रक्रिया को 'डक एंड कवर' कहा जाता है। इन्होंने नागासाकी जाकर इस तरीके की जानकारी दूसरे लोगों को भी दी थी। परमाणु बम के कारण शहर के 90% डॉक्टर भी मारे गए थे , जिस कारण घायल होने वालों का इलाज जल्द से जल्द संभव नहीं हो पाया। विश्व के लिए यह घटना आज भी एक बुरे सपने की तरह है। आशा है, भविष्य में दुनिया में लोगों को ऐसे हादसों का सामना कभी नही करना पड़ेगा। आज अनेक देशों के पास अपने परमाणु बमों के भंडार हैं , जो 'लिटिल ब्वॉय' और 'फैट-मैन' से भी कई सौ हज़ार गुना ज्यादा शक्तिशाली हैं और जिनके प्रयोग से मानव जाति का ही अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है।

प्रश्न:

1. हिरोशिमा-नागासाकी की इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को आज कुल कितने वर्ष हो चुके हैं?
2. आप अपने विचार अनुसार उत्तर दें कि क्या जापान नरेश हिरोहित्तो का समर्पण कर देने का फैसला सही था?
3. पानी कितने डिग्री सेल्सियस के तापमान पर उबलने लगता है ? उस वक्त परमाणु बम से धरती पर उत्पन्न हुई गर्मी इससे कितने गुना अधिक रही होगी?

4. यदि इतने ही शक्तिशाली परमाणु बम भारत पर आज गिराए जाते हैं तो बताइए कि भारत में इससे जानमाल की हानि कम होगी या अधिक? तर्क सहित उत्तर दें।
5. क्या हथियारों की बढ़ती होड़ और युद्धों पर अंकुश लगाने में संयुक्त राष्ट्र संघ की कोई भूमिका हो सकती है? अपना मत दें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तुलनात्मक	सरल
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	विचारात्मक	सरल
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	विवेचन	तुलनात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	तार्किक	कठिन

प्रतिमान -16

खादी हाथ से काते गए और बुने गए कपड़ों को कहते हैं। कच्चे माल के रूप में कपास, रेशम या ऊन का प्रयोग किया जाता है। जिन्हें चरखे (एक पारंपरिक कताई यंत्र)पर कातकर धागा बनाया जाता है, उसी धागे से कपड़ा बुना जाता है। खादी का 1920 में महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन में एक राजनीतिक हथियार के रूप में प्रयोग किया गया था। यहाँ जिस चरखे की बात हो रही है उसकी शुरुआत सर्वप्रथम चीन से 1100 ई० में हुई। 1100 ई० से आज तक इसके रूप और आकार में प्रकार में अनेक परिवर्तन आते गए। इसकी उत्पादन क्षमता बढ़ी, आज भी चरखों का प्रयोग होता है। आज बिजली और सौर ऊर्जा से चलने वाले चरखों का भी प्रचलन है। भारत का 'राष्ट्रीय चरखा संग्रहालय' नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में स्थित है। खादी के लिए कच्चा माल भारत के विभिन्न भागों से प्राप्त किया जाता है। पश्चिम बंगाल, बिहार, उड़ीसा और उत्तर-पूर्वी राज्यों से रेशम प्राप्त किया जाता है। कपास की प्राप्ति आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल से होती है। पॉली खादी को राजस्थान और गुजरात में काता जाता है जबकि हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और जम्मू कश्मीर से ऊन की प्राप्ति होती है। ऊनी वस्तुओं के लिए ये स्थान बहुत प्रसिद्ध हैं। खादी ग्रामोद्योग आयोग सरकार द्वारा निर्मित एक वैधानिक निकाय है। यह भारत में खादी और ग्रामोद्योग से संबंधित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली एक शीर्ष संस्था है। जिसका मुख्य उदेश्य है- ग्रामीण इलाकों में खादी और

ग्रामोद्योग की स्थापना और विकास करने के लिए योजनाएँ बनाना, प्रचार करना, सुविधाएँ और सहायता प्रदान करना। जिससे आवश्यकता अनुसार ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कार्यरत अन्य एजेंसियाँ भी सहायता ले सकती हैं। आज विश्व में भूमंडलीऊष्मण (ग्लोबल वार्मिंग) की बातें हो रही हैं। पर्यावरण की रक्षा की चिंता बढ़ रही है। खादी का बढ़ता उपयोग और इसके उत्पादन को बढ़ावा देना भी ग्लोबल वॉर्मिंग की दिशा में एक सकारात्मक पहल हो सकता है। सरकार भी जानती है कि खादी ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित करने पर जहाँ लोगों को रोज़गार के अवसर प्राप्त होंगे, वहीं पर्यावरण को बेहतर बनाने में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान होगा।

1. खादी क्या है? इसके मुख्य उद्देश्य क्या हैं?

2. खादी से जुड़े एक महत्वपूर्ण व्यक्ति और उनके यंत्र का नाम लिखें।

3. कच्चा माल किसे कहते हैं? खादी के लिए कच्चा माल कहाँ से प्राप्त होता है?

4. ग्लोबल वार्मिंग किसे कहते हैं? आप लोगों की समस्या को दूर करने में अपना क्या योगदान दे सकते हैं?

5. नीचे दिए गए बिल में कुल कीमत से कुल बिक्री कीमत अधिक क्यों है और मात्रा वाले खाने में जहाँ 1,1 और 1 लिखा है, वहीं यदि 3, 3 और 3 लिखा होता, तो कुल कितना बिल बनता ?

जी॰एस॰टी॰ नं : 04AAATK6700F1Z4

कैश मैमो

खादी आश्रम चण्डीगढ़

एस.सी.ओ. 82, सैक्टर 38–सी, चण्डीगढ़

प्र॰ का॰ : S.C.O. 28, सैक्टर 17-E, चण्डीगढ़

(खा. ग्रा. कमीशन भारत सरकार द्वारा प्रमाणित)

फोन : 0172-2690164

राज्य कोड :

कैश मैमों न. 11062

दिनांक 06-08-2019

नाम :

पता :

क्रमांक	विवरण	एच॰एस॰ एन॰ कोड	यू. ओ. एम.	मात्रा	दर	कुल कीमत	छूट दर	छूट कीमत	कर योग्य बिक्री	सी॰जी॰एस॰टी॰ रकम दर	सी॰जी॰एस॰टी॰ रकम कीमत	यू॰टी॰जी॰एस॰टी॰ रकम दर	यू॰टी॰जी॰एस॰टी॰ रकम कीमत	कुल बिक्री कीमत
	गुलाब जल			1	89.28					6%	5.36	6%	5.36	100
	चन्दन पाउडर			1-	138-09					2.5	3-45	2.5	3-45	144.99
	हेयर			1-	33-89					9%	3.05	9%	3.05	39.99
	योग													284.98

कैशो मैमों की कुल कीमत शब्दों में

कुल कीमत टैक्स से पहले	0.02
कुल कीमत सी॰जी॰एस॰टी॰	
कुल कीमत यू॰टी॰ जी॰एस॰टी॰	285
कुल कीमत आई॰जी॰एस॰टी॰	
कुल कीमत टैक्स के बाद	

नोट : 1) बिका हुआ माल वापस नहीं होगा और ना ही बदला जायेगा ।
2) किसी भी विवाद के लिए चण्डीगढ़ ही कार्यक्षेत्र होगा ।

हस्ताक्षर विक्रेता

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक सरल	सरल
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	संकेतात्मक	सरल
3	व्यापक समझ	विचारात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत
5	विवेचन	तुलनात्मक	औसत

प्रतिमान -17

मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीने-भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का वादा कर लिया होगा। बना भी ली होगी, लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए। काँचवाला यह तय नहीं कर पाया होगा या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा।

हालदार साहब को यह सब कुछ बड़ा विचित्र और कौतुकभरा लग रहा था। इन्हीं ख्यालों में खोए-खोए पान के पैसे चुकाकर, चश्मे वाले की देशभक्ति के समक्ष नतमस्तक होते हुए वह जीप की तरफ चले, फिर रुके, पीछे मुड़े और पान वाले के पास जाकर पूछा, "क्या कैप्टन चश्मे वाला नेता जी का साथी है? या आज़ाद हिंद फौज का भूतपूर्व सिपाही?"

पानवाला नया पान खा रहा था। पान पकड़े अपने हाथ को मुँह से डेढ़ इंच दूर रोककर उसने हालदार साहब को ध्यान से देखा, फिर अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाई और मुस्कुरा कर बोला, "नहीं साहब! वो लंगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल! वो देखो, वो आ रहा है। आप उसी से बात कर लो। फोटो-वोटो छपवा दो, उसका कहीं। "

हालदार साहब को पान वाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लंगड़ा आदमी सिर

पर गांधी टोपी और आंखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बांस पर टंगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बांस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए।

1. मूर्ति किसने बनाई थी और उसके नीचे क्या लिखा था?

2. किनका चश्मा स्वच्छता अभियान का प्रतीक चिह्न बन गया है?

3. 'आजाद हिंद फौज' के सर्वोच्च नेता कौन थे? जिन्हें नेता जी के नाम से भी जाना जाता है।

4. यदि एक मीठे पान को स्वादिष्ट बनाने के लिए उसमें 6 चीज़ों का प्रयोग लिया किया गया, तो 12 स्वादिष्ट मीठे पान बनाने में कितनी चीज़ों का प्रयोग किया गया होगा?

5. 'देश को आगे बढ़ाना है, तो सभी बच्चों को शिक्षित कीजिए। देश को वह खुद संभाल लेंगे।' इस पर अपने विचार प्रकट करें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	संकेतात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	सरल
3	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत
4	विवेचनात्मक	तुलनात्मक	सरल
5	सृजन	रचनात्मक	सरल

प्रतिमान -18

आज के बच्चे कल का भविष्य हैं - इस वक्तव्य का भारत के लिए विशेष महत्व है , क्योंकि आज भारत में विश्व की तुलना में सबसे अधिक किशोर है। जंक फूड के प्रति बच्चों के लगाव ने उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को एक चुनौती के रूप में लाकर देश के सामने खड़ा कर दिया है। देश में चिकित्सक , शिक्षाविद, अभिभावक सभी चिंतित हैं क्योंकि जंक फूड के सेवन से बच्चे उन बीमारियों के शिकार हो रहे हैं जो अधिक उम्र के लोगों में हुआ करती थी। आधुनिक रहन-सहन और दौड़-धूप से भरी जिंदगी ने मनुष्य के जीवन में कई परिवर्तन किए हैं। आज लोगों के पास समय का अभाव है , इस व्यस्त जिंदगी में सब कुछ फास्ट हो गया है और इसी जल्दबाजी ने मनुष्य को भोजन की एक नई शैली के जाल में फंसा दिया है , जिसे फास्ट फूड या जंक फूड कहते हैं। समय के साथ परिवर्तन होना स्वाभाविक है , लेकिन यह जरूरी नहीं है कि हर परिवर्तन सही हो।

पिछले दिनों एक चौंकाने वाली खबर में पता चला कि मुंबई में 11 वर्षीय अनामिका (बदला हुआ नाम) का मोटापा कम करने के लिए उसकी बेरिएट्रिक सर्जरी करनी पड़ी। इसी तरह देश में हर साल लगभग 10,000 बेरिएट्रिक सर्जरी होती है, जिनमें दो से चार फ़ीसदी तक छोटे बच्चे या किशोर होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू०एच०ओ०) के अनुसार एक व्यस्क पुरुष 2.6 ग्राम ट्रांस फैट हर दिन , जबकि एक महिला 2.1 ग्राम और एक बच्चा (10-12 साल का) 2.3 ग्राम ट्रांस फैट ग्रहण कर सकता है। जंक फूड के अंतर्गत आज जगह -जगह बिकने वाला चाऊमीन बच्चों को बेहद पसंद है, इसमें अजीनोमोटो डाला जाता है जो इसे खास स्वाद देता है। क्या आपको पता है , अजीनोमोटो दिमागी कोशिकाओं को पनपने नहीं देता और कैंसर भी कर सकता है। इसके आसार नजर आने में 7-8 साल लग जाते हैं। कई बच्चे अजीनोमोटो के प्रति

संवेदनशील होते हैं , उनमें सिर दर्द, झनझनाहट ,कमजोरी, पेट दर्द आदि लक्षण पाए जाते हैं। फास्ट फूड बच्चों के लिए कितने खतरनाक हैं इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इनके सेवन से बच्चों का बुद्धिलब्धि स्तर (आई क्यू) कमज़ोर होने लगता है। वह मानसिक रूप से विकलांग तक हो सकता है । एक अध्ययन के अनुसार फास्ट फूड खाने वाले बच्चों का बुद्धिलब्धि स्तर घर पर बना ताजा खाना खाने वालों की तुलना में कम होता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक बचपन में खाया पौष्टिक भोजन लंबे समय तक बुद्धिमता पर प्रभाव डालता है ।

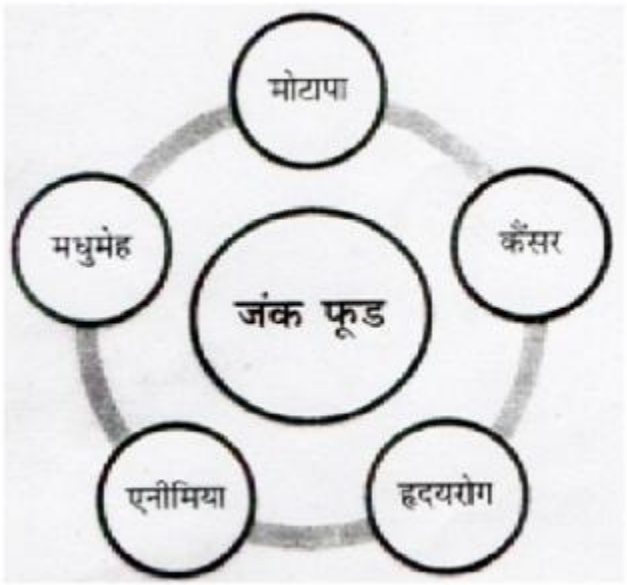

इस समस्या के लिए लोगों को जागरूक हो जाना चाहिए। इसके साथ ही सरकार को चाहिए कि वह लोगों को जानकारी दें कि वे (लोग) फास्ट फूड के प्रति सतर्कता बरतें और अपने परंपरागत खानपान पर अधिक ध्यान दें ताकि आने वाले समय में उन्हें किसी परेशानी का सामना ना करना पड़े। माता -पिता को भी चाहिए कि वे अपने बच्चों पर ध्यान दें और उनको समझाएँ कि फास्ट फूड स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

1. जंक फूड का नाम सुनकर कौन-कौन से चित्र आपकी आँखों के सामने उभरते हैं?

2. जंक फूड के सेवन से बच्चे किन बीमारियों के शिकार हो रहे हैं?

3. मोटापे को कम करने के लिए कौन सी सर्जरी करवानी पड़ती है ? क्या आप के आस पास कोई मोटा बच्चा है? उसके मोटापे का क्या कारण है?

4. मान लो वर्ष में लगभग 10,000 बेरिएट्रिक सर्जरी होती है जिसमें 4% छोटे बच्चे या किशोर होते हैं। इनकी संख्या बताएँ ?

5. विश्व स्वास्थ्य संगठन का मुख्यालय कहाँ है?

क) जिनेवा, स्विजरलैंड　　ख) दिल्ली, भारत

ग) सिडनी, ऑस्ट्रेलिया　　घ) टोरंटो, कनाडा

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पी	कठिन

प्रतिमान -19

जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 में बदलाव का संकल्प और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू कश्मीर और लद्दाख) में बाँटने का बिल सोमवार, 5 अगस्त 2019 को लोकसभा में पारित हो गया। अनुच्छेद-370 में बदलाव के संकल्प के समर्थन में 351 और विरोध में 72 वोट पड़े। दरअसल, 370 में बदलाव के साथ ही जम्मू-कश्मीर में देश का संविधान लागू हो गया। जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा दिए जाने से संबंधित संविधान के अनुच्छेद-370 के प्रमुख प्रावधानों को निष्प्रभावी करने और इस उत्तरी राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने के केंद्र सरकार के कदम से दुर्गम क्षेत्र में बसे लेह और लद्दाख के लोगों का दशकों पुराना सपना भी साकार हुआ है। 72 वर्ष पहले भारत संघ में जम्मू कश्मीर के विलय के बाद से लद्दाख इस राज्य का हिस्सा जरूर बना हुआ था, मगर विकास की विसंगतियों और संसाधनों के बंटवारे में भेदभाव के कारण इस क्षेत्र की आकांक्षाएँ दबी रहीं। हैरत नहीं होनी चाहिए कि 1,73,266.37 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला लद्दाख क्षेत्रफल के मामले में देश का सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है। कारगिल और लेह दो जिलों में बंटा यह क्षेत्र पाकिस्तान और चीन से सटा होने के कारण सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील भी है, जहां यह दोनों पड़ोसी अतीत में दुस्साहस कर चुके हैं।

यह बिल मूलतः सरदार पटेल, डॉक्टर बी० आर० अंबेडकर और श्यामाप्रसाद मुखर्जी जिन्होंने देश की एकता एवं अखंडता के लिए जीवन कुर्बान किया है, उनको श्रद्धांजलि माना गया है। भारत के साथ जम्मू कश्मीर की निर्द्वंद्व, निष्कंटक और असंदिग्ध एकता में यदि कोई एक बाधा सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी थी, तो वह अनुच्छेद-370 था।

अनुच्छेद-370 वास्तव में पाकिस्तान समर्थक अलगाववादियों का रक्षा कवच और वहाँ रहने वाले गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के लिए दिन-रात प्राण सुखाने वाला प्रावधान था। जिसके कारण कश्मीर के मूल निवासी लाखों की संख्या में अपनी जड़ों, अपनी भाषा, अपने संसार से उखाड़ फेंककर शरणार्थी बना दिए गए। अनुच्छेद-370 ने हर आतंकवादी का मनोबल बढ़ाया और तिरंगे के लिए जीने मरने वाले हर देशभक्त को अपने ही देश में बेगाना, विदेशी और अनामंत्रित बोझ बना दिया। आइए जानें धारा 370 में क्या क्या ऐसा था, जो जम्मू कश्मीर को भारत के अन्य राज्यों से अलग करता था :-

इसलिए अनुच्छेद 370 को हटाने की प्रस्तावना हुई। इससे जम्मू-कश्मीर भी भारत के राज्यों की श्रेणी में आ जाएगा। जम्मू कश्मीर की छाया में लद्दाख वर्षों से उपेक्षित ही रहा है, य यहाँ तक कि राज्य के प्रशासनिक ढांचे और सरकारी नौकरियों में क्षेत्र को समुचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला, अब केंद्र शासित क्षेत्र बनने के बाद यह विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकेगा।

वास्तव में अनुच्छेद-370 खत्म किए जाने से 72 वर्षों के बाद भारत की सीमाओं में एकमात्र राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का लहराना संभव हो पाया है और दो झंडे, दो निष्ठा वाले लोगों को मुंह की खानी पड़ी है। यह क्षण वास्तव में राष्ट्रीयता के उल्लासपूर्ण उत्सव का क्षण है।1. जम्मू कश्मीर भारत के बाकी राज्यों से किस धारा के कारण अलग था?

2 .वर्तमान समय में भारत के कुल कितने केंद्र शासित प्रदेश व राज्य हैं?

3. 5 अगस्त 2019 का दिन भारत में किस प्रकार ऐतिहासिक दिन बन गया?

4. अनुच्छेद-370 के हटने से क्या लाभ होगा?

5. यदि लद्दाख क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है। तो 2018 में जनसंख्या की दृष्टि से सबसे अधिक और सबसे कम जनसंख्या वाला भारतीय राज्य बताएँ।

(क) चंडीगढ़ और दिल्ली (ख) राजस्थान और जम्मू-कश्मीर

(ग) उत्तर प्रदेश और सिक्किम (घ) महाराष्ट्र और हैदराबाद

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	सरल
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
4	अभिव्यक्ति	रचनात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पी	सरल

प्रतिमान -20

"भगवान का शुक्र है कि इंसान उड़ नहीं सकता, नहीं तो पृथ्वी के साथ ही आकाश को भी बर्बाद कर देता।" हेनरी डेविड थोरियु।

जैसे-जैसे शहर विकसित हो रहे हैं, हरियाली कम और कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं। हर साल प्रदूषण के मामले में बढ़ोतरी हो रही है। यदि हम अभी से नहीं चेते तो आने वाले कुछ सालों में साफ हवा में सांस लेने के लिए सिर्फ पहाड़ और जंगल ही बचे रह जाएंगे। इसी कारण 5 जून को पूरी दु निया में पर्यावरण से जुड़ी अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

पर्यावरण सुरक्षा के उपायों को लागू करने के लिए हर उम्र के लोगों को प्रोत्साहित किया जाता है। पेड़ -पौधे लगाना , साफ-सफाई अभियान , रीसाइक्लिंग, सौर ऊर्जा , बायोगैस, बायो खाद , सीएनजी वाले वाहनों का इस्तेमाल, रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसी तकनीक अपनाने पर बल दिया जाता है। सड़क रैलियों , नुक्कड़ नाटकों या बैनरों से ही नहीं , एस एम एस , फेसबुक, ट्विटर, ईमेल के जरिए भी लोगों को जागरूक किया जाता है। बच्चों के लिए पेंटिंग , वाद-विवाद, निबंध-लेखन जैसे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं।

इसी क्रम में 5 जनवरी के दिन को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र महासभा और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में की थी। 5 जून 1973 को पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसमें हुए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण के मुद्दों पर विचार किया गया। 1974 के बाद से विश्व पर्यावरण दिवस का सम्मेलन अलग -अलग देशों में आयोजित किया जाने लगा। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 19 नवंबर 1986 में लागू किया गया। यूएनईपी हर साल पर्यावरण संरक्षण के अभियान को प्रभावशाली बनाने के लिए विशेष विषय (थीम) और नारा चुनता है। जिसके अंतर्गत 2019 की थीम 'बीट एयर पॉल्यूशन' है। मेजबान देश में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेते हैं और प र्यावरण के मुद्दों पर बातचीत और काम होता है। जिसमें हर साल 143 से अधिक देश हिस्सा लेते हैं और इसमें कई सरकारी, सामाजिक और व्यावसायिक लोग पर्यावरण की सुरक्षा समस्या आदि विषय पर बात करते हैं।

सामान्य जनता को भी इसमें योगदान देना चाहिए। इसके लिए वह अपने आसपा स के वातावरण को स्वच्छ रखें। सड़क पर कूड़ा न फैंके , और न ही कूड़े में आग लगाएं। कूड़ा रीसाइकल के लिए भेजें। प्लास्टिक , पेपर, ई-कचरे के लिए बने अलग -अलग कूड़ेदान में कूड़ा डालें, ताकि वह आसानी से रीसाइकल के लिए जा सकें। वाहन चालक निजी वाहन की बजाय

कार-पूलिंग, गाड़ियों, बस या ट्रेन का उपयोग करें। कम दूरी के लिए साइकिल चलाना पर्यावरण और सेहत के लिहाज से बेहतर है। पानी बचाने के लिए घर में लो -फ्लशिंग सिस्टम लगवाएं, जिससे शौचालय में पानी कम खर्च हो। शावर से नहाने के बजाय बाल्टी से नहाएं। ब्रश करते समय पानी का नल बंद रखें। हाथ धोने में भी पानी धीरे चलाएं। गमलों में लगे पौधों को बाल्टी से पानी दें। नल में कोई भी लीकेज हो तो उसे प्लंबर से तुरंत ठीक करवाएं ताकि पानी टपकने से बरबाद न हो। नदी तालाब जैसे जल स्रोतों के पास कूड़ा न डालें। यह कूड़ा नदी में जाकर पानी को गंदा करता है। घर की छत पर या बाहर आंगन में टब रखकर बारिश का पानी जमा करें। इसे फिल्टर करके फिर से इस्तेमाल कर सकते हैं।

इस प्रकार तेजी से बढ़ते हुए प्रदूषण के स्तर को कम किया जा सकता है।

1. पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस किस वर्ष में और कहां मनाया गया?
2. भारत के संविधान में पर्यावरण संरक्षण हेतु नियम कब लागू किया गया?
3. आपके अनुसार वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए क्या गतिविधियां करनी चाहिए ? गद्यांश से हटकर कुछ बताने का प्रयास करें।
4. कॉलेज के मित्र -- 5 पौधे प्रति,
   कार्यालय के मित्र -- 8 पौधे प्रति,
   अंकुश के परिजन -- 12 पौधे प्रति,
   अंकुश की पत्नी के परिजन -- 15 पौधे प्रति
   अंकुश प्रदूषण पर अंकुश लगाने हेतु इस वर्ष पर्यावरण दिवस पर अपने प्रत्येक मित्र और परिजनों को उपरोक्त अनुसार पौधे उपहार में देता है। तो बताएं:-
   क) अंकुश ने अपने कॉलेज के 8 मित्रों और कार्यालय के 7 मित्रों को कुल कितने पौधे उपहार में दिए?

ख) यदि अंकुश के परिजनों की संख्या 12 है और उसकी पत्नी के परिजनों की संख्या 10 है तो उस ने किस को अधिक पौधे उपहार में दिए?

5. आप जानते हैं कि प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। आप इस विशेष दिवस पर कुछ नया और विशेष क्या करना चाहेंगे?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
3	सृजनात्मकता	रचनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	सृजन	रचनात्मक	औसत

प्रतिमान -21

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन 'इसरो 'भारत का राष्ट्रीय अंतरिक्ष संस्थान है। जिसका मुख्यालय बंगलुरु (कर्नाटक) में है। संस्थान में लगभग 17000 कर्मचारी एवं वैज्ञानिक कार्यरत हैं। संस्थान का मुख्य कार्य भारत के लिए अंतरिक्ष संबंधी तकनीक उपलब्ध कराना है।

अंतरिक्ष कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों में उपग्रहों प्रमोचक यानों, परिज्ञापी रॉकेटों और प्रणालियों का विकास शामिल है। इसकी स्थापना 15 अगस्त 1969 में हुई थी। इस संस्थान का आदर्श वा क्य है-' मानव जाति की सेवा में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी ' भारत का पहला उपग्रह आर्यभट्ट 19 अप्रैल 1975 में सोवियत संघ द्वारा छोड़ा गया था। इसका नाम गणितज्ञ आर्यभट्ट के नाम पर रखा गया था। 7 जून 1979 को भारत का दूसरा उपग्रह भास्कर, 1980 में रोहिणी उपग्रह ,22 अक्टूबर 2008 को चंद्रयान-1, 24 सितंबर 2014 को मंगलयान और 22 जुलाई 2019 को चंद्रयान-2 भेज चुका है।

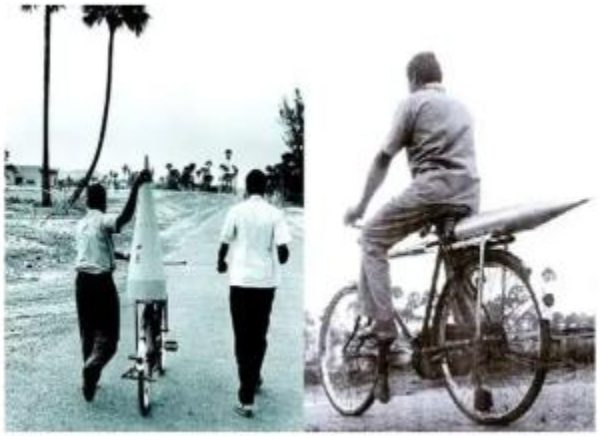

जून 2016 तक इसरो लगभग 20 अलग-अलग देशों के 57 उपग्रहों को भी लॉन्च कर इससे अब तक 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर कमा चुका है। क्या हम कल्पना भी कर सकते हैं कि जो देश 1963 में भारत के पहले रॉकेट के पुर्जों को एक

साइकिल पर लाया गया था। उसी देश भारत का अंतरिक्ष संस्थान ' इसरो ' भारत के सबसे सफल और महत्वपूर्ण संगठनों में से एक है ।

आज अमेरिका के जीपीएस सिस्टम की तरह भारत का अपना जीपीएस सिस्टम है जिसका नाम आई० आर० एन० एस० एस० है। भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह के डायरेक्टर थे - डॉ एपीजे अब्दुल कलाम। पिछले 40 सालों में इसरो ने जितना पैसा खर्च किया है वह नासा के 1 वर्ष के खर्च से भी आधा है देश में प्रतिभा और तकनीक कोई कमी नहीं है। यदि भारतीय युवाओं को देश में ही अच्छे रोजगार के अवसर प्राप्त हों तो प्रतिभावान छात्रों का पलायन होने से रोका जा सकता है । ब्रेन -ड्रेन की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। एयरोस्पेस के क्षेत्र में उच्च प्रतिभाशाली युवाओं के अनुसंधान और सेवाओं का लाभ अन्य उद्योगों के भी को भी मिलेगा । इससे देश के आर्थि क विकास को गति मिलेगी । हमारे स्पेस कार्यक्रम का लक्ष्य आम आदमी के फायदे पर है। किसान को कैसे मौसम की सटीक भविष्यवाणी दें, मछुआरों को कहां ज्यादा मछलियाँ मिलेंगी, जमीन में सटीक जगह पर पानी कहां मिलेगा आदि की जानकारी सेटेलाइट से ही मिल सकती है। प्राकृति क आपदाओं से निपटने में उपग्रह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जंगलों में आग लगे या कहीं बाढ़ आए , उसमें भी उपग्रह अपनी सकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। केंद्र सरकार की योजनाएँ जरूरतमंदों

तक पहुँचे पा रही हैं या नहीं इसकी निगरानी दिल्ली में बैठकर देखी जा सकती हैं। पंचायतों के साथ सीधा संपर्क बढ़ा है। इन सब उपलब्धियों का राष्ट्रीय स्तर पर यही संदेश है कि हम धर्म और जाति जैसे भेदभाव भुलाकर इसरो की तरह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से काम करेंगे तो हमारी समृद्धि और सफलता को नए पंख लगेंगे और भारत को विश्व शक्ति बनने से को ई नहीं रोक पाएगा।

1. अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की तरह भारत का भी अपना अंतरिक्ष संगठन है। इसका नाम बताइए।
2. क्या भारत की अंतरिक्ष एजेंसी दूसरे देशों के लिए भी काम करती है ? अपने उत्तर की पुष्टि करें।
3. यदि इसरो का 2019-20 का अनुमानित बजट 12,473 करोड़ रुपए है और नासा का 2019-20 का अनुमानित बजट 500 बिलियन यूएस डॉलर है तो यह भारत के बजट से कितना कम या अधिक है? अंतर ज्ञात करें। (मन लो 1 यूएस डॉलर-74.55 रु)
4. ब्रेन ड्रेन से आप क्या समझते हैं?
5. भारतीय स्पेस कार्यक्रम आम आदमी के लिए किस प्रकार लाभदायक है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तख्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सृजन	तार्किक	कठिन
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	कठिन

प्रतिमान -22

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मोबाइल की सुविधा अपना एक अलग ही स्थान बना चुकी है। बाजार में भिन्न-भिन्न प्रकार के मोबाइल उपलब्ध हैं। समाज का प्रत्येक व्यक्ति मोबाइल को अपने शरीर के अंग की तरह साथ लेकर चलता है। उसके बिना यह अपने को अपाहिज सा महसूस करने लगता है। इसका कारण स्पष्ट है कि मोबाइल नहीं व्यक्ति को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जगत की सभी ज्ञानवर्धक जानकारियों से जोड़ा है और संप्रेषण की दुनिया को आसान बनाया है। किंतु साथ ही उसके द्वारा अनावश्यक तथा गुमराह करने वाली बहुत सारे ऐप्स से भी जोड़ दिया है। जिसका युवा वर्ग पर बहुत ही बुरा असर पड़ रहा है इनसे फेसबुक , ट्विटर तथा व्हाट्सएप जैसे विभिन्न प्रकार के एप्स द्वारा युवा वर्ग का समय भी बहुत बर्बाद करवाया है।

लोग इसकी हानिकारक तरंगों से अवगत होते हुए भी घंटों बातें करते रहते हैं, जिससे उनकी सेहत पर बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ता है। यहां तक कि लोग बहरेपन के भी शिकार हो जाते हैं। अतः मोबाइल के उपयोग में लाभ और हानि दोनों ही समाहित हैं। आज का विद्यार्थी इसका सबसे ज्यादा शिकार हो रहा है। उच्च वर्ग के अभिभावक अपने बच्चों को आवश्यकता से अधिक स्टैंडर्ड का मोबाइल दिला देते हैं। लेकिन इसकी उपयोगिता को न जानते हुए बच्चे इसका दुरुपयोग करने लगते हैं। इसके प्रति हमें सचेत रहना होगा। इसकी उपयोगिता को समझना होगा। यह एक ऐसी देन है जिसमें व्यक्ति और समाज को

सभी प्रकार के सुख-दुख के समाचारों से जोड़ा है। हमें इसकी कद्र करनी चाहिए। इस अद्भुत देन को हमें संभाल कर, सम्मान पूर्वक

अपने जीवन क्षेत्र में उपयोग करना होगा तभी संप्रेषण में हम सफल हो पाएँगे।

मोबाइल फोन की बढ़ती उपयोगिता के फलस्वरुप विभिन्न कंपनियां नए -नए मॉडल बाज़ार में उतारती रहती है। उनका एकमा त्र उद्देश्य अधिक से अधिक लाभार्जन है। हाल ही में विभिन्न कंपनियो ने त्योहारों के बहाने अपने उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने हेतु अपने कुछ उत्पादों की कीमत में कटौती की है ताकि उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ती रहे व बाज़ार में उनका वर्चस्व बढ़े। विभिन्न कंपनियों के द्वा रा दी गयी छूट के बाद नई कीमतों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्रम संख्या	**कंपनी**	**मॉडल**	**कीमत**
1	लेनोवो	K8 पावर	12,500
2	सैमसंग	M20	14,000
3	सोनी	Xperia	15,500
4	एप्पल	I-6	58,000
5	वीवो	V7	14,500
6	रेडमी	Note7	13,000

1. मोबाइल के बिना समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने आपको कैसा महसूस करता है ?
2. यदि भाषा हमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ती है तो अन्य कौन से साधन है जो हमें आपस में जोड़ते हैं?

3. आप अपने मित्र को मोबाइल के दुरुपयोग से कैसे बचाएंगे?
4. उपर्युक्त गद्यांश में वर्णित सबसे अधिक मूल्य वाला मोबाइल कौन सी कंपनी का है और उसका मूल्य क्या है? सबसे कम मूल्य वाला मोबाइल किस कंपनी का है? दोनों कंपनियों के मोबाइल की कीमतों में अंतर पता कीजिए।
5. नीचे विभिन्न मोबाइल कंपनियों की बाज़ार में हिस्सेदारी (% में) पाई चार्ट के माध्यम से दर्शाई गई है , इस आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दें -

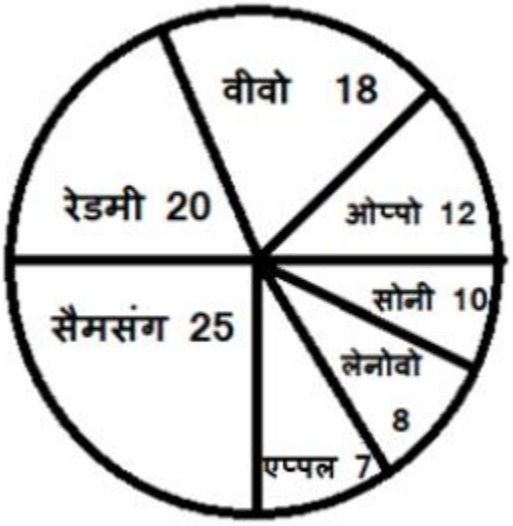

क). अपने उत्पादों के लिए कौन सी कंपनी अधिक विश्वसनीय व लोकप्रिय है?

ख) किस कंपनी के उत्पाद ज्यादा प्रचलन में नहीं है?

ग). बाज़ार में किन -किन कंपनियों के उत्पाद ज्यादा खरीदे जाते है ? प्रथम तीन स्थानों की सूची बनाए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सृजन	वर्णानात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन
5	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन

प्रतिमान -23

स्वच्छ भारत अभियान जिसे क्लीन इंडिया मिशन के नाम से भी जाना जाता है , भारत सरकार द्वारा की गई एक अनोखी पहल है जिसके अंतर्गत भारत को एक साफ़ एवं स्वच्छ देश बनाने का फैसला लिया गया। यह अभियान भार त के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महात्मा गाँधी की 145वीं जन्मतिथि, 2 अक्टूबर 2014 को उनकी समाधी राजघाट, नई दिल्ली से शुरू किया गया था। पूजनीय राष्ट्रपिता गांधी जी ने स्वच्छता को ईश्वर भक्ति के बराबर माना था इसीलिए वे स्वच्छता की शिक्षा सभी को देते थे । इसी के तहत जिस आश्रम में वे रहते थे वहाँ रोजाना सुबह चार बजे उठकर स्वयं सफाई करते थे। उन्होंने वर्धा आश्रम में अपना स्वयं का शौचालय बनवाया था जिसको प्रतिदिन सुबह- शाम साफ भी करते थे। गांधी जी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने के लिए श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत करी।

स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्य:-

1. खुले में शौच बंद करवाना जिसके तहत हर साल न जाने कितने ही लोग बीमारियों का शिकार हो जाते हैं।

2. लगभग 11 करोड़ 11 लाख व्यक्तिगत,सामूहिक शौचालयों का निर्माण करवाना जिसमे 1 लाख 34 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

3. उचित स्वच्छता का उपयोग करके लोगों की मानसिकता को बदलना ।

4. गाँवो को स्वच्छ रखना।

5. 2019 तक सभी घरों में पानी की पूर्ति सुनिश्चित कर के गाँवों में पाइपलाइन लगवाना जिससे स्वच्छता बनी रहे।

6. ग्राम पंचायत के माध्यम से ठोस और तरल अपशिष्ट की अच्छी प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करना। सड़कें फुटपाथ ओर बस्तियाँ साफ रखना।

7. साफ सफाई के ज़रिए सभी में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।

स्वच्छ भारत अभियान में शामिल मंत्रालय:-

शहरी विकास मंत्रालय , राज्य सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रा लय, गैर सरकारी संगठन , पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम व निगम। स्वच्छ भारत अभियान में न केवल आम लोग , सरकारी मंत्रालय के साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा सहयोग प्रदान करने वाले लोगों में मृदुला सिन्हा , बाबा रामदेव, कमल हासन, सलमान खान, प्रियंका चोपड़ा और तारक मेहता का उल्टा चश्मा की टीम जैसी नामचीन हस्तियों भी इस अभियान से जुड़ी हैं। स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने के लिए कई कार्यक्रम व परियोजनाएं शुरू की गई ।

स्वच्छता पखवाड़ा-

अप्रैल 2016 में शुरू स्वच्छता पखवाड़ा का लक्ष्य केन्द्रीय मंत्रा लयों व उनके विभागों द्वारा स्वच्छता के विभिन्न मसलों पर केन्द्रित पखवाड़े का आयोजन करना है।विद्यालय स्तर पर भी स्वच्छता को अपनाते हुए सफाई अभियान चलाया गया। पखवाड़ा गतिविधियों के लिये योजना बनाने में मंत्रालयों की मदद करने के लिये उन्हें एक वार्षिक कैले ण्डर बाँटगया।

नमामि गंगे-नमामि गंगे कार्यक्रम जल संसाधन मंत्रालय की एक पहल है जिसके तहत गंगा तट पर बसे गाँवों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाना है और ठोस व तरल कचरा प्रबन्धन की दिशा में आ रही समस्याओं को पेयजल व स्वच्छता मंत्रालय द्वारा दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड और पश्चिम बंगाल के लगभग 52 जिलों के सभी 4470 गाँवों को राज्य सरकारों की मदद से खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित किया गया है। मंत्रालय एनएमसीजी के सहयोग से गंगा तट पर बसे 24 गाँवों को गंगा ग्राम में तब्दील करने का प्रयास कर रहा है।

स्वच्छता कार्य-योजना (एसएपी)-एसएपी स्वच्छता हेतु अपनी तरह का अनूठा कार्यक्रम है। सभी यूनियन मंत्रालय/विभागों ने इसे साकार करने के लिये उपयुक्त बजट प्रावधानों के साथ अर्थपूर्ण तरीके से काम करना शुरू कर दिया है। स्वच्छ श क्ति-8 मार्च 2017 स्वच्छ शक्ति का आयोजन अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर किया गया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सभा को सम्बोधित किया। इस मौके पर देश भर से लगभग 6000 चुनिन्दा महिला सरपंच, जमीनी स्तर पर काम करने वालों ने शिरकत की और स्वच्छता चैम्पियंस को ग्रामीण भा रत में स्वच्छ भारत का सपना साकार करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये सम्मानित किया गया।

स्वच्छ संकल्प से स्वच्छ सिद्धि प्रतियोगिता स्वच्छ संकल्प से स्वच्छ सिद्धि प्रतियोगिता (17 अगस्त से 8 सितम्बर) -माननीय प्रधानमंत्री ने स्वच्छ संकल्प से स्वच्छ सिद्धि के तहत 2022 तक नए भारत के निर्माण के लक्ष्य का आह्वान किया। इस सपने के परिदृश्य में पेयजल व स्वच्छता मंत्रालय ने स्वच्छता को जन आन्दोलन बनाने की दिशा में देश भर में फिल्म , निबन्ध व चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

दरवाजा बन्द मीडिया अभियान व्यवहारगत बदलाव के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए दरवाजा बन्द शीर्षक से एक गम्भीर मास मीडिया अभियान चलाया गया, जिसमें लोग खासकर पुरुषों द्वारा शौचालय के प्रयोग को प्रमोट करने का प्रयास किया गया। इसमें अमिताभ बच्चन का सहयोग रहा।

"जो परिवर्तन आप दुनिया में दे खना चाहते हैं वह सबसे पहले अपने आप में लागू करें। " महात्मा गांधी द्वारा कहे गए यह कथन जोकि स्वच्छता पर ही आधारित है। उनके अनुसार स्वच्छता की जागरूकता की मशाल सभी में पैदा होनी चाहिए इसके तहत स्कूलों में भी स्वच्छ भारत अभियान के कार्य होने लगे हैं। स्वच्छता से न केवल हमारा तन साफ रहता है , हमारा मन भी स्वच्छ रहता है। इसी को मध्य रखते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सरकारी भवनों की सफाई और स्वच्छता को ध्यान में रखकर तंबाकू , गुटका ,पान ,आदि उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे प्रयासों से जल्द ही भारत एक स्वच्छ एवं सुन्दर देश बन जाएगा।

1. स्वच्छ भारत अभियान का प्रारंभ किसने और कब किया ?
2. स्वच्छता अभियान में शौचालय बनवाने को पहल क्यों दी गई ?
3. आप के विद्यालय में 'स्वच्छता पखवाडा' के अंतर्गत विद्यालय को साफ रखने के लिए कौन-कौन से कार्यक्रम किए जाते है?
4. 'नमामि गंगे' परियोजना से आप क्या समझते हैं ?

5. उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री _____ है।

क) अरविंद केजरीवाल

ख) कमल नाथ

ग) योगी आदित्यनाथ

घ) मनोहर लाल खट्टर

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत
4	सृजन	वर्णनात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पिय	सरल

प्रतिमान -24

आज भारत में सारी दुनिया की तुलना में सबसे अधिक युवा हैं। 10 से 14 वर्ष की आयु के बच्चे देश की कुल जनसंख्या का एक तिहाई हैं। दुनिया के 10 से 19 वर्ष के किशोर और किशोरियों का घर भारत है। ऐसे में बच्चों को लेकर बनाई जाने वाली नीतियाँ और कानून प्रभावशाली होने चाहिए। आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रंस फंड की रिपोर्ट स्टेट ऑफ द वर्ल्ड चिल्ड्रन-2011 में जानकारी दी गई थी कि भारत में 24 करोड़ 30 लाख बच्चे 10-19 आयु वर्ष के हैं। दूसरा स्थान चीन का, तीसरा स्थान अमेरिका का है। चौथे स्थान पर इंडोनेशिया और पाकिस्तान हैं। बच्चों के अधिकारों को संबोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मजदूर संगठन ने भी गंभीरता से लेते हुए 2025 तक पूरी दुनिया से स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माने जाने वाले व्यवसायों से बाल-मजदूरी खत्म करने का लक्ष्य निर्धारित किया है परंतु अभी सफलता नहीं मिली है। विश्व भर में 12 जून को बाल श्रम के ख़िलाफ़ विश्व दिवस के रूप में मनाया जाता है।

तालिका 1.1 प्रति हजार व्यक्तियों पर नियुक्त बाल श्रमिकों का विभाजन।

	आयु (वर्ष में)	ग्रामीण		शहरी		कुल	
		लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ
2004-05	5-9	2	1	2	1	2	1
	10-14	54	49	44	24	52	43
2009-10	5-9	2	1	2	1	2	1
	10-14	27	21	24	28	26	18

चित्र 1.1 साक्षर निरक्षर लोगों का प्रतिशत जनगणना(2011)

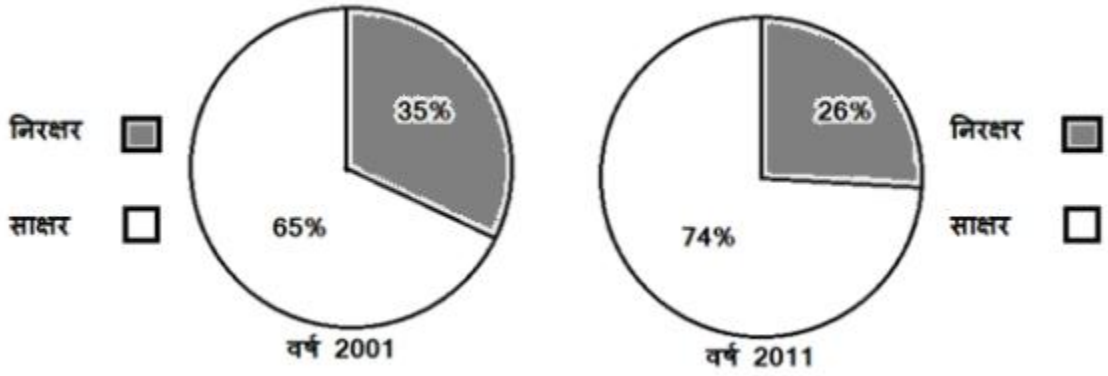

चित्र 1.2 2001 की जनगणना के अनुसार देश में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक व्यवसाय में लगे 5 से 14 वर्ष आयु के बच्चों का पाई चार्ट प्रस्तुतीकरण-

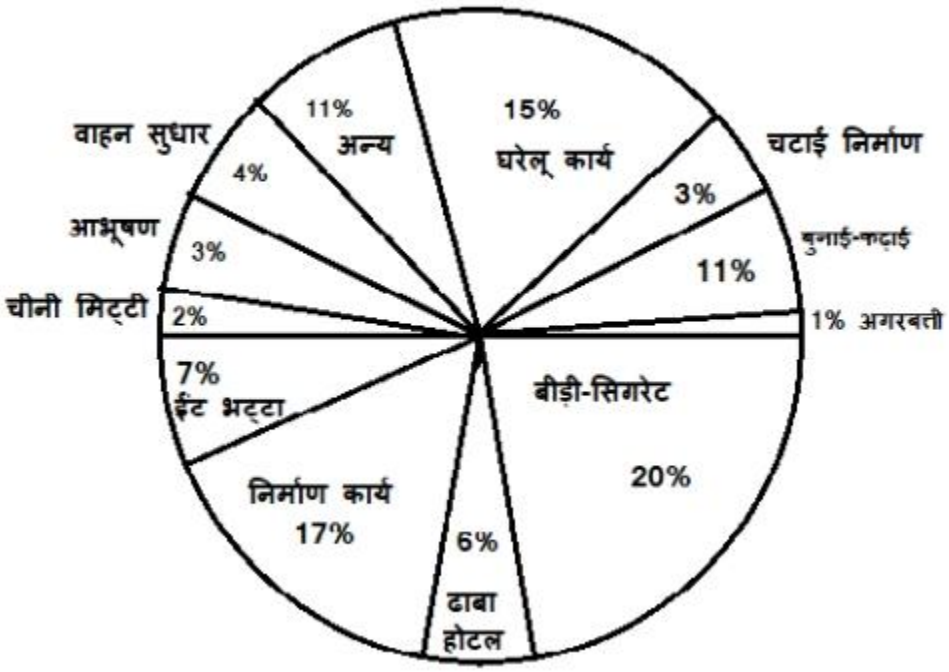

बाल मजदूरी में लगे हुए बच्चे अप्रशिक्षित कामगार बनकर रह गए हैं, अतः एक समय के बाद इनके पास रोजगार के अवसर सीमित रह जाते हैं। 'नेशनल सैंपल सर्वे' यह भी बताता है कि बाल मजदूरी के कारण बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में वृद्धि हुई है। यह एक गंभीर मसला है। बाल अपराधों में 24% तक वृद्धि देखी गई है।सबसे अधिक वृद्धि उत्तर प्रदेश व सबसे

कम आंध्र प्रदेश में है। बच्चों की सुरक्षा के लिए सरकारी तौर पर भी सहायता नंबर जारी किए गए हैं। बाल मजदूर और बाल भिखारी दिखे तो 1098 पर कॉल कर सकते हैं।

112 एकल आपातकाल नंबर

1091, 1090 महिलाओं और बुजुर्गों के लिए सहायता नंबर

011-26942369नेशनल कमीशन फॉर वुमन

100 पुलिस हेल्पलाइन

1096 एंटी स्टॉकिंग सेल

1. बाल-मजदूरी करने वाले बच्चों के लिए शिक्षा क्या भूमिका निभा रही है?
2. बाल श्रमिक सामान्यतः किन व्यवसायों से जुड़ेहैं, चित्र 1.2 के आधार पर बताए?
3. बाल मजदूर या कोई बच्चा भीख माँगता दिखे या महिलाओं के लिए सहायता चाहिए तो कौन से नंबर लगाए जाने चाहिए?
4. यदि एकल आपातकाल नंबर को शब्दों में 'एक सौ बारह' लिखेंगे तो 'नेशनल कमीशन फॉर वुमन' के नंबर 26942369 को शब्दों में कैसे लिखेंगे।
5. चित्र 1.1 के तुलनात्मक के आधार पर साक्षरता में कितनी प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है ?

प्रश्न क्रमांक	**दक्षता**	**प्रश्न प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1.	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
2.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3.	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4.	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
6.	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन

प्रतिमान -25

नदी भूतल पर प्रवाहित एक जलधारा है जिसका स्रोत कोई झील, हिमनद, झरना या बारिश का पानी होता है तथा ये किसी सागर अथवा झील में जा कर यह गिरती है। किसी अर्थव्यवस्था के विकास में नदियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भारत नदियों का देश है भारत की नदियों को चार समूहों में वर्गीकृत किया जा सकता है -हिमालय से निकलने वाली नदियाँ

1. दक्षिण से निकलने वाली नदियाँ
2. तटवर्ती नदियाँ
3. अंतर्देशीय नालों से द्रोणी क्षेत्र की नदियाँ

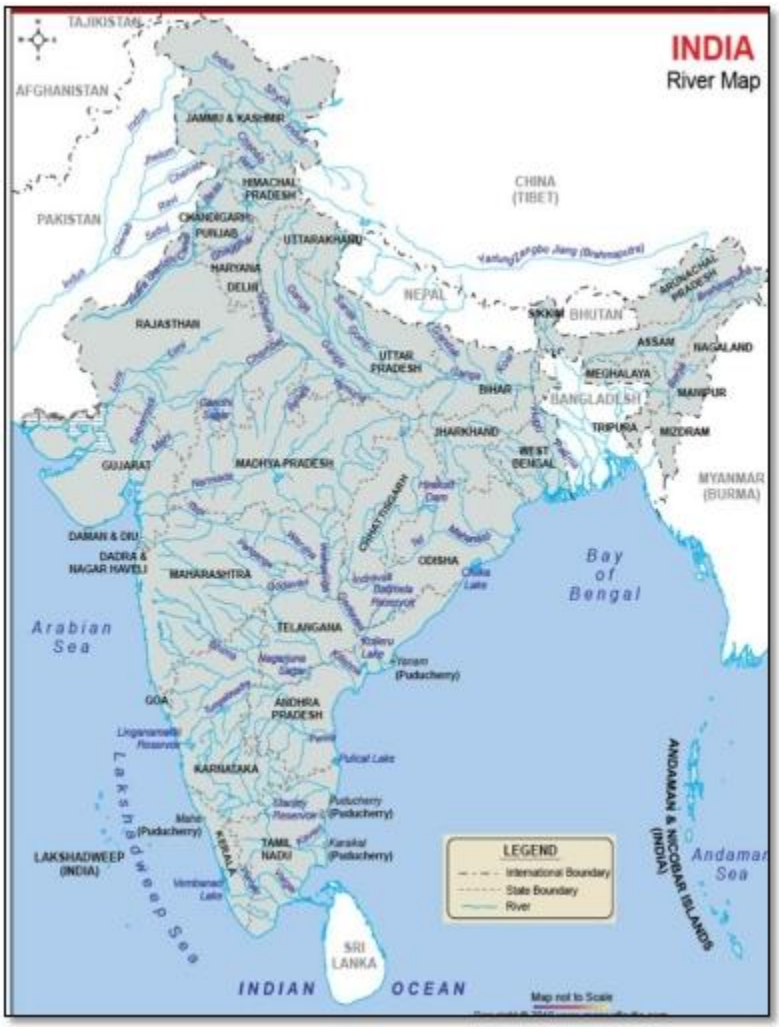

अधिकांश भारतीय नदियाँ पूर्व की ओर बहती हैं और बंगाल की खाड़ी में विलीन हो जाती हैं लेकिन भारत में कुछ नदियाँ ऐसी भी हैं; जैसे - नर्मदा, माही और ताप्ती; जो पूर्व से पश्चिम की ओर बहती हैं तथा अरब सागर में विलीन हो जाती हैं।

हिमालय से निकलने वाली नदियाँ बर्फ और ग्लेशियरों के

पिघलने से बनी है अतः इन में पूरे वर्ष के दौरान निरंतर प्रवाह बना रहता है इनमें प्रमुख नदियाँ हैं- गंगा,यमुना,सरस्वती, सतलुज, व्यास,चिनाब, जेहलम, सिंधु, ब्रह्मपुत्र आदि। मानसून के दौरान हिमालय क्षेत्र में बहुत अधिक वृष्टि होती है और नदियाँ बारिश पर निर्भर हैं अतः इनके आयतन में उतार-चढ़ाव होता रहता है।

दक्षिण भारत की अधिकांश नदियों का स्रोत केवल वर्षा का जल अर्थात मानसून है। कावेरी को दक्षिण भारत की गंगा भी कहा जाता है। दक्षिणी प्रायद्वीप में गोदावरी दूसरी सबसे बड़ी नदी है। इसके बाद कृष्णा का स्थान आता है।

भारत में कई तटवर्ती नदियाँ भी हैं जो अपेक्षाकृत छोटी हैं। ऐसी नदियों में काफी कम नदियाँ पूर्वी तट के डेल्टा के निकट समुद्र में जा मिलती हैं। जबकि पश्चिमी तट पर ऐसी 600 नदियाँ हैं। राजस्थान में कुछ ऐसी नदियाँ भी है जो समुद्र में जाकर नहीं मिलती, ये खारे पानी की झीलों में जाकर मिल जाती हैं, जिसकी समुद्र में कोई निकासी नहीं होती। इसके अतिरिक्त कुछ मरुस्थल नदियाँ भी होती हैं जो कुछ दूरी तक बहती हैं फिर मरुस्थल में ही लुप्त हो जाती हैं। ऐसी नदियों में लूणी, मच्छक, स्पेहन बनास, सरस्वती और घग्घर आदि नदियों के नाम आते हैं।

1. किस भारतीय राज्य को पाँच नदियों की धरती कहा जाता है ?

   1)हरियाणा ख) गुजरात ग) उत्तर प्रदेश घ) पंजाब

2. नदी और नहर में क्या अंतर होता है?
3. यदि गंगा नदी की लंबाई 2525 किलोमीटर, सतलुज की लंबाई 1500 किलोमीटर, सिंधु 2880 किलोमीटरऔर रावी की लंबाई725 किलोमीटर है, तो बताइए कि सतलुज,गंगा से कितनी कम और रावी से कितनी अधिक लंबी है?

4. हिमालय से निकलने वाली नदी निम्नलिखित में से कौन सी नहीं है?

1) गंगा
2) यमुना
3) भाखड़ा
4) सरस्वती

5. नदियों के आकर में उतार –चढ़ाव का क्या करण है?

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1.	विवेचन	बहुविकल्पीय	औसत
2.	व्यापक समझ	तुलनात्मक	कठिन
3.	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन
4.	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत
5.	सूचना की पुनः प्राप्ति	व्याख्यात्मक	औसत

प्रतिमान -26

राम प्रसाद बिस्मिल के क्रांतिकारी संघर्ष से परेशान होकर ब्रिटिश शासन ने उन्हें फाँसी की सज़ा दी। काकोरी कांड के महानायक राम प्रसाद बिस्मिल जी को गोरखपुर की जेल कोठरी में फाँसी की सज़ा दी गई। तो आइए जेल में फाँसी से एक दिन पहले जब उनकी माँ उनसे मिलने आयी।

बिस्मिल :-माँ ,तुम !

माँ :- मैं ही तो हूँ ,क्या तू अपनी माँ को पहचान भी नहीं सकता?

बिस्मिल :-ऐसे मत बोलो माँ, मुझे ग़लत मत समझो। मेरा मतलब यह नहीं था।

माँ :-बस रहने दे अपनी सफ़ाई को, मैं सब जानती हूँ, तू अपनी माँ को भले ही भूल जा पर मैं अपने बेटे राम प्रसाद को कैसे भूल सकती हूँ? मौत की गोद में तुझे देखकर मेरी आँखों से परनाले बहने लगेंगे।

बिस्मिल:- हाँ -हाँ, मेरा मतलब यही था।

माँ :- पगले ,तू अपनी माँ को इतना भी नहीं पहचान सका। जिस भारत माँ के लिए तू कुर्बान हो रहा है। वह अकेले तेरी ही तो माँ नहीं, वह तो मेरी भी माँ है, तेरे सभी बुज़ुर्गों की माँ है, इस सारे देश की माँ है।

बिस्मिल:- माँ, मैंने समझा था कि तुम्हें मेरे विचारों के लिए अफ़सोस है।

माँ :- नहीं, मेरे लाल आज के दिन तू किसी का अफ़सोस न कर। तुम तो कुर्बान की राह पर जा रहे हो। मेरे बच्चे, अफ़सोस तो मुझे हैं कि मेरा दूसरा बेटा भी इतना छोटा क्यों है?

बिस्मिल:- माँ, विश्वास रखो, तुम्हारे इस बेटे के बलिदान से अनेक राम प्रसाद पैदा होंगे।

जेलर:- क्षमा कीजिए ,समय काफ़ी हो चुका है।

माँ :- चलती हूँ मेरे लाल।

बिस्मिल :- माँ, ये साड़ी के पल्लू में क्या बाँधा हुआ है?

माँ :-ये बेसन के लड्डू तेरे लिए बनाकर लाई हूँ।

बिस्मिल:- लाओ माँ ,अपने हाथ से खिला दो।

माँ :- अच्छा ,मेरे लाल मैं चलती हूँ। (आँसू पोंछते हुए बाहर निकलती है।)

बिसमिल:- मैं नहीं कह रहा माँ ,तुम्हारी आँखों से बहने वाले आँसू कह रहे हैं कि तुम्हें कोई दुख है ।

माँ:- अरे पगले ,ये आँसू तो ख़ुशी के हैं।

बिस्मिल :- ख़ुशी के आँसू!

माँ :-हाँ बेटा, पाल-पोसकर अपनी संतान को अपने ही हाथों से देश के लिए क़ुर्बान कर देने में भी एक अजीब-सी ख़ुशी है और आज उसे ख़ुशी को प्राप्त करने का गौरव मुझे हो रहा है।

माँ ने जेलर साहब से पूछा, “क्या कल अपने बेटे की फाँसी के समय में यहाँ आ सकती हूँ?”

जेलर:- जी नहीं, हुक्म न होने के कारण मैं मजबूर हूँ।

बिस्मिल :-ज़रूरत भी क्या है माँ? तुम अपने बेटे को भारत माँ की गोद में डाल दो। अब उसकी सेवा के लिए यहाँ आत्मा किसी भी रूप में रहे, क्या फ़र्क पड़ता है?

माँ:- तू ठीक कहता है मेरे लाल, अच्छा! मेरे बच्चे अपनी भारत माँ की अच्छी तरह सेवा करना। कोई चूक न होने पाए। (बिस्मिल के सिर पर हाथ फेरती है और बिस्मिल माँ के पैर छूते हैं।) चलिए, जेलर साहब ।

अगली सुबह बिस्मिल को नहलाया जाता है। फाँसी के फंदे पर लटका दिया जाता है। माँ जेल के बाहर खड़ी फफककर रो रही होती है। एक बेटा अपने देश के लिए यह गाता हुआ फाँसी के फंदे पर झूल जाता है “सरफ़रोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है ज़ोर कितना बाज़ू-ए-क़ातिल में है।”

1. बिस्मिल किस कांड के महानायक थे?

2. गोरखपुर जिला किस राज्य में पड़ता है, जहाँ राम प्रसाद बिस्मिल को फाँसी की सज़ा दी गई?

3. सरसों से तेल निकालने में कैदियों को ज़ोर लगाना पड़ता है। यदि एक क़ैदी को इस प्रक्रिया में पाँच लीटर तेल निकालने में आठ घंटे लगते हैं, तो एक दिन में 20 लीटर तेल निकालने में कितने कैदियों की ज़रूरत पड़ेगी तथा उन्हें कुल इतने घंटे लगेंगे?

4. यदि एक रस्सी की लंबाई को नापना है तो कैसे नापेंगे?

क) किलोग्राम-ग्राम

ख) मीटर-सेंटीमीटर

ग) लीटर-मिली लीटर

घ) क) और ग) दोनों

5. निम्नलिखित में से जेल की कोठरी का आकार क्या होता होगा ?

क) 10 फुट लंबी 8 फुट चौड़ी

ख) 10 किलोमीटर लंबी 8 किलोमीटर चौड़ी

ग) 10 सेंटीमीटर लंबी 8 सेंटीमीटर चौड़ी

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	वर्णनात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	वर्णनात्मक	सरल
3	विश्लेषण	तार्किक	औसत
4	व्यापक समझ	बहुविकल्पी	औसत
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पी	औसत

प्रतिमान -27

'सड़क यातायात सुरक्षा नियम' एक प्रकार का ऐसा उपाय है जिससे सड़क दुर्घटनाओं में लोगों के घायल होने और उनसे मौतें होने जैसी घटनाओं को कम करने का प्रयास किया जाता है । सड़क का उपयोग करने वाले लोगों में पैदल चलने वाले, साइकिल, रिक्शा स्कूटर तथा गाड़ी चलाने वाले या सार्वजनिक यातायात साधनों का उपयोग करने वाले लोग शामिल होते हैं। सड़क यातायात सुरक्षा हेतु व्यवस्थाओं और जरूरतों को देखते हुए विशेष रणनीति बनाई जाती है और वाहनों की गति आदि की सीमा निर्धारित की जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2004 में 12 लाख से अधिक लोग सड़क हादसों के शिकार होकर मारे गए और 5 करोड़ से भी अधिक लोग जख्मी हुए। सबसे अधिक मौतें 10 से 19 वर्ष के लोगों की हुई, जो बहुत चिंता का विषय है। इसी से बचने हेतु समय-समय पर विश्व की सभी सरकारें यातायात से जुड़े नियमों की जानकारी देती रहती हैं। यातायात से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण नियम व प्रतीक चिह्न इस प्रकार से हैं :-

1. ट्रैफिक लाइट्स:

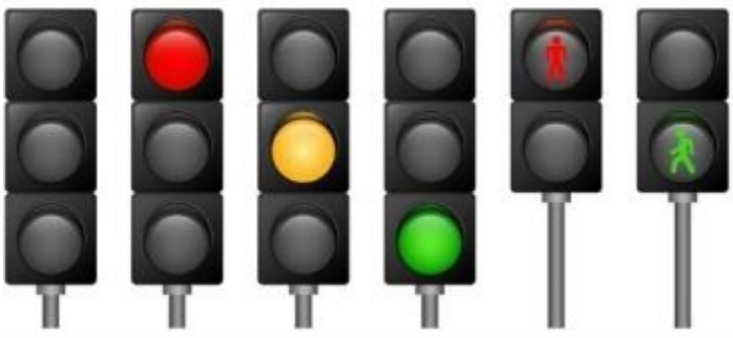

भारी यातायात वाले क्षेत्रों में इस तरह की बत्तियों की व्यवस्था होती है ताकि जाम ना लगे और सुचारू रूप से ट्रैफिक चलता रहे। इन में लाल बत्ती का अर्थ होता है -

रुकिए,पीली बत्ती का अर्थ है- तैयार हो जाइए और हरी बत्ती का अर्थ होता है चलिए। यह नियम साईकिल, रिक्शा अथवा पद यात्रियों पर भी लागू होते हैं, जिनके लिए अलग चिह्न निर्धारित किए गए हैं।

2. नो पार्किंग:

अर्थात् यहाँ किसी भी प्रकार का वाहन खड़ा करना मना है। इस तरह के चिह्न वाला बोर्ड अधिकतर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों अथवा खुले स्थान की कमी वाले क्षेत्रों में लगाया जाता है।

3. अधिकतम गति सीमा:

यह चिह्न अधिकतम गति सीमा दर्शाता है। व्यक्ति इससे अधिक गति से वाहन नहीं चला सकता।

4. पशु चिह्न:

यह चिह्न दर्शाता है कि इस क्षेत्र में पालतू अथवा वन्य प्राणी विचरण करते हैं जो वाहन से टकरा सकते हैं। उनकी और आप अपनी सुरक्षा हेतु सावधानी पूर्वक वाहन चलाएँ।

5. **चट्टानों का गिरना**:

ऐसे चिह्न वाला बोर्ड दर्शाता है कि इस क्षेत्र में पहाड़ों से

पत्थर गिर सकते हैं, अतः अपना बचाव करते हुए ध्यानपूर्वक चलें।

6. कार्य प्रगति पर:

इसका अर्थ है कि सड़क पर निर्माण कार्य चल रहा है और मज़दूर काम में जुटे हैं। अतः आप अपनी और उनकी सुरक्षा ध्यान को रखते हुए धीमी गति से ध्यानपूर्वक वाहन चलाएँ।

7. हॉर्न बजाना मना है:

आधुनिक समाज में अनावश्यक और अधिक ऊँची आवाज़ में हॉर्न बजाना असभ्य व्यवहार माना जाता है। स्कूलों, अस्पतालों आदि के आसपास शाँत क्षेत्र होता है जहाँ हॉर्न बजाना पूर्णतया वर्जित होता है।

8. वापस मुड़ना मना है:

सड़क के कुछ व्यस्त चौराहों अथवा सड़कों पर यू-टर्न लेना वर्जित होता है क्योंकि यह बहुत खतरनाक है। तेजी़ से आ रहा वाहन आपके वाहन के मुड़ने के कारण उससे टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो सकता है।

9. संकरा पुल:

ऐसे चिह्न वाले बोर्ड का मतलब है कि आगे संकरा फुल आने वाला है इसलिए अपने वाहन की गति धीमी कर लें व सावधान हो जाइए ताकि

सामने से आ रहे वाहनों को भी आसानी से पुल पार करने के लिए पर्याप्त जगह मिल जाए।

10. फिसलन भरी सड़क:

ऐसे चिह्न वाला बोर्ड बर्फ पड़ने वाले क्षेत्रों अथवा सीलन भरी सड़कों के किनारे लगाये जाते हैं ताकि लोग वाहन धीरे व सावधानीपूर्वक चलाएँ ताकि उनके वाहन फिसलें ना।

11. आगे स्कूल है:

ऐसे चिह्न वाला बोर्ड स्कूल आने से पहले सड़क के किनारे लगा होता है ताकि चालक वाहन की गति कम कर लें क्योंकि बच्चे छोटे और नादान होते हैं तथा कई बार इतने सावधान नहीं होते।

12. रेलवे क्रॉसिंग:

यह चिह्न रक्षित समपार क्रॉसिंग के बारे में दर्शाता है। यहाँ चालक को सावधान हो जाना चाहिए क्योंकि कई बार रेलवे लाइन सड़क से क्रॉस करते हुए गुज़रती है।

1. हॉर्न बजाने के क्या लाभ और हानियाँ हो सकती हैं?

2. रिपोर्ट के मुताबिक सबसे अधिक मौतें 10 से 19 वर्ष के बच्चों की हुई हैं। आपके विचार से इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं?

3. ध्यानपूर्वक देखकर बताइए कि इन दो चिह्नों वाले बोर्ड चंडीगढ़ शहर की सड़कों के किनारे लगे दिखाई क्यों नहीं देते?

4. कुछ नावों में मोटर लगी होती है जिससे लोग समुद्र में दूर तक जाकर ज्यादा मछलियां पकड़ सकते हैं। यदि एक नाव की गति 20 किलोमीटर प्रति घंटा है, तो वह 3 घंटों में समुद्र के अंदर कितना आगे तक मछली पकड़ने जा सकेगी?

5. स्कूल के वार्षिक खेल-दिवस पर आयोजित बच्चों की दौड़ में दूसरे स्थान पर आने वाले बच्चे को यदि कोई बच्चा पीछे छोड़ देता है तो वह किस स्थान पर आएगा?

क्रम संख्या	**दक्षता**	**प्रकार**	**संज्ञानात्मक स्तर**
1	सृजनात्मक	रचनात्मक	कठिन
2	सृजनात्मक	तुलनात्मक	कठिन
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तुलनात्मक	सरल
4	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

प्रतिमान -1

1.	Full Credit	क) 40 से 60 ग्राम
	No Credit	अस्पष्ट/असंगत उत्तर
2.	Full Credit	आधे घंटे में 20 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।
	No Credit	अस्पष्ट/असंगत उत्तर
3.	Full Credit	9:10 घड़ी में सही समय दिखाए जाने पर।
	No Credit	अस्पष्ट/असंगत उत्तर
4.	Full Credit	ग) उपरोक्त दोनों
	Partial Credit	(क) मोबाईल टावर अथवा (ख) बढ़ता प्रदूषण
	No Credit	अस्पष्ट/असंगत उत्तर
5.	Full Credit	नन्हे नीले पंखों वाली चिड़िया के बारे में बताया गया है।
	No Credit	अस्पष्ट/असंगत उत्तर

प्रतिमान -2

1 Full Credit : राम के पिता जी

No Credit : अस्पष्ट/असंगत/अन्य उत्तर

2 Full Credit : मैनेजर

No Credit : अस्पष्ट/असंगत/अन्य उतर

3 Full Credit : 2000+800+1200+500=4500, विश्वनाथ, गंगा प्रसाद, मैनेजर

Partial Credit : 4500, उपरोक्त व्यक्तियों में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उतर

4 Full Credit : घ) बैंक

No Credit : अन्य विकल्प

5 Full Credit : नाम, मोबाइल नंबर, कुल जमा राशि, जमा कर्ता के हस्ताक्षर

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी दो

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -3

1 Full Credit : 4 जनवरी,1809 को फ़्रांस में

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अस्पष्ट/असंगत/अन्य उत्तर

2 Full Credit : 25 वर्ष की आयु में

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : 63 प्रतिरूप

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : विश्व की समस्त भाषाएँ

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : विद्यार्थियों के सटीक उत्तर मान्य होंगे

Partial Credit : एक-दो शब्दों में उतर

No Credit : असंगत /अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -4

1 Full Credit : क) झनझनाहट

No Credit : अन्य विकल्प

2 Full Credit : पाँच साल के बच्चे की खोपड़ी से

No Credit : अन्य उत्तर

3 Full Credit : मोबाइल फ़ोन से बात करते हुए वाहन चलाने पर

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : आत्म केंद्रित होना, रिश्तों में बढ़ती दूरी, एकाकीपन इत्यादि उत्तर मान्य होंगे

Partial Credit : उपरोक्त मे से कोई एक।

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : किसे और क्यों का उत्तर तर्क सहित।

Partial Credit : एक दो शब्दों में तर्क रहित उत्तर।

No Credit : असपष्ट / असंगत / अन्य उत्तर

प्रतिमान -5

1 Full Credit : 2) हेल्मेट और सिर की सुरक्षा

No Credit : अन्य विकल्प

2 Full Credit : 4) मस्तिष्क की चोट

No Credit : अन्य विकल्प

3 Full Credit : दुर्घटना में सिर का सड़क पर लगना

No Credit : अन्य उत्तर

4 Full Credit : कंपनी का हो, ISI मार्क हो

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर

5 Full Credit : 3) मेनिंगियल

No Credit : अन्य विकल्प

प्रतिमान -6

1 Full Credit : पृथ्वी के तापमान में ग्रीन हाउस गैसों का बढ़ता प्रभाव

Partial Credit : मिलता-जुलता अधूरा अर्थ

No Credit : अन्य उत्तर/ असंगत/अस्पष्ट

2 Full Credit : विशेष गैसों के बढ़ने से धरती की गर्मी का बाहर न निकलना

Partial Credit : मिलता जुलता अधूरा अर्थ

No Credit : अन्य उत्तर/अस्पष्ट/असंगत

3 Full Credit : बाढ़, सूखा, ओज़ोन परत का क्षरण

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : अन्य उत्तर /अस्पष्ट/असंगत

4 Full Credit : दोगुनी, 76.4 बिलियन टन

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : सुरक्षा कवच का कार्य करना

Partial Credit : मिलता-जुलता उत्तर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

6 Full Credit : उच्च दाब और ताप से बना इंधन, प्राकृतिक संसाधन (सौर ऊर्जा, जल ऊर्जा, पवन ऊर्जा)

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई एक

No Credit : अन्य उत्तर

7 Full Credit : ध्रुवीय क्षेत्र, पर्याप्त जल उपलब्ध करवाते हैं

Partial Credit : उपरोक्त में से कोई भी एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -7

उत्तरमाला :

1 Full Credit : अमेजन नदी

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2 Full Credit : नर्मदा

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

3 Full Credit : ग) 259 घंटे

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/ अन्य उत्तर

4 Full Credit : 7000-1500=5500 किलोमीटर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : सूखा, पीने के पानी की कमी, जीवन का संकट इत्यादि

Partial Credit : कोई एक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -8

1. Full Credit : हॉकी

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : कोई दो : सतर्क रहना, पार्क की गई गाड़ियों के प्रति सतर्कता, मुड़ने से पहले दाएं बाएं देखना, यातायात नियमों का पालन

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट

3. Full Credit : कोई दो : नेतृत्व, भाईचारा, समूह भावना, स्वावलंबन, समन्वय या अन्य तार्किक उत्तर

   No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : (ख) फुटबॉल व बैडमिंटन

   No Credit : अन्य विकल्प

5. Full Credit : 60

   No Credit : अन्य संख्या

प्रतिमान -9

1. Full Credit : कोई एक : पाइलिंग, स्टील के रिंग

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : ताकि ट्रेफिक बाधा न बने /अन्य संगत तर्क

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3. Full Credit : गति /कम समय/ अन्य संगत तर्क

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4 Full Credit : (क) रिंग

: (ख) पाइलिंग

: (ग) मॉनिटर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5 Full Credit : 628.57

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -10

1. Full Credit : गगन ने अध्यापक से ग्रीन कॉरिडोर के बारे में पूछा अध्यापक ने कहा कि ग्रीन कॉरिडोर एक ऐसा मार्ग है जहां एंबुलेंस

ट्रैफिक में नहीं फंसती ।

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : किसी व्यक्ति की जान जा सकती है

No Credit : अस्पष्ट असंगत

3. Full Credit : जहां एम्बुलेंस ट्रैफिक में नही फसती/कोई अन्य संगत तर्क

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : अंगदान से किसी बीमार व्यक्ति को नहीं जिंदगी मिलती है

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : 0.6 किलोमीटर

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -11

1. Full Credit : सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2. Full Credit : ग) असावधानी

No Credit : अन्य विकल्प

3. Full Credit : 15200 रूपए

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4. Full Credit : 5300 रूपए

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

5. Full Credit : जमा की पूंजी जरूरत के समय काम आती है/अन्य संगत तर्क

No Credit : असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -12

उत्तरमाला :

	Full Credit	कार्बन डाइऑक्साइड
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
	Full Credit	क)22 किलोग्राम ख) छोटे कण और गैस ग) 50%, शोर
	Partial credit	उपरोक्त में से कोई दो रिक्त स्थान
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	पेड़ों के आसपास नमी के कारण ठंडी हवा होती है। जब उस ठंडे वायुमंडल के ऊपर से जलवाष्प युक्त बादल गुजरते हैं, तो वे संघनित होकर वर्षा करते हैं। इस प्रकार एक पेड़ की मदद से वर्ष में 3500 लीटर पानी बरस सकता है।
	Partial credit	उपरोक्त से मिलता जुलता उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	कोयला
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	74 पेड़
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -13

1.	Full Credit	संयुक्त राष्ट्र के वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेश पुर्तगाल के हैं।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	ख) विश्व में शांति स्थापित करने के लिए
	No Credit	अन्य विकल्प
3.	Full Credit	9+14+4+9+1 =37
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	इसकी स्थापना 20वीं सदी में हुई तथा इसका मुख्यालय न्यूयार्क में स्थित है।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	108 देशों ने
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -14

1.	Full Credit	60 लाख
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	कोई दो या तीन सकारात्मक कारण
	Partial Credit	कोई एक कारण
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	कोई दो-तीन गुण, कोई दो-तीन अवगुण
	Partial Credit	गुण या अवगुण में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	दूसरे बच्चे का
	No Credit	अन्य विकल्प
5.	Full Credit	हाँ यदि नकारात्मक सन्देश भेजे जाएं अथवा विद्यार्थी का कोई भी सही तर्क स्वीकार्य होगा

	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -15

1.	Full Credit	75
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	हां , अपने नागरिकों को बचाने हेतु, क्योंकि अमेरिका एक और परमाणु हमला करने वाला था
	Partial Credit	उपरोक्त मे से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	100 डिग्री सेल्सियस, 40 गुना
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	अधिक होती, क्योंकि भारत की जनसंख्या जापान से बहुत अधिक है।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	विद्यार्थी की समझ के अनुसार सही उत्तर मान्य होगा ।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -16

1.	Full Credit	एक संस्था, हाथ से काते / बुने गए कपड़े।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	महात्मा गांधी, चरखा
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	ऐसे पदार्थ जो प्राकृतिक अथवा आरंभिक रूप में हों, खनिज आदि। पश्चिम बंगाल, बिहार, उड़ीसा ,उत्तर-पूर्वी राज्य, आंध्र प्रदेश,

		राजस्थान, गुजरात ,हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, जम्मू कश्मीर।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक भाग का उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी, खादी का उपयोग , आदर्श ईंधन अथवा संसाधनों का बुद्धिमता से उपयोग।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	कुल कीमत के साथ कर/ टैक्स भी जोड़ा गया है इसलिए ...। तब कुल बिल बनेगा रु 855 या रु 854. 94
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -17

1.	Full Credit	मोतीलाल, मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	महात्मा गांधी
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	सुभाष चंद्र बोस
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	72
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	छात्रों के अपनी समझ से लिखे सकारात्मक उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -18

1.	Full Credit	जंक फूड से संबंधित कोई भी चित्र, खाद्य पदार्थ,दुकान आदि
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	एनीमिया, हृदय रोग, मधुमेह, कम बुद्धि, मोटापा, कैंसर आदि
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी तीन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	बेरिएट्रिक सर्जरी, दूसरे भाग के उत्तर छात्रों की अपनी समझ से भिन्न भिन्न हो सकते हैं, सभी सही उत्तर स्वीकार्य।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक भाग
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	400
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	(क) जेनेवा, स्विटज़रलैंड
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -19

1.	Full Credit	धारा 370
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	8 केंद्र शासित प्रदेश 28 राज्य।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	इस दिन अनुच्छेद 370 में बदलाव का बिल लोकसभा में पास हुआ था आदि अन्य तथ्य।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	छात्र की समझ पर आधारित सकारात्मक उत्तर।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	(ग)उत्तर प्रदेश और सिक्किम

	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -20

1.	Full Credit	5 जून 1973, स्टाकहोम।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	19 नवंबर 1986
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	छात्र की अपनी समझ से दिए गए सही बिंदु ।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	(क) 96 (ख) पत्नी के परिजनों को।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक(क /ख)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	छात्र की मौलिक अभिव्यक्ति
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -21

1	Full Credit	भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन (इसरो)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	Full Credit	हाँ , विभिन्न देशों के 57 उपग्रहों को लोंच किया है
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	Full Credit	अपने देश के प्रतिभावान लोगों का अवश्यक सुविधाओं और रोजगार के आभाव मे अन्य देशों की और पलायन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4	Full Credit	500,000,000,000x 74.55 = 3,72,75,00,00,00,000 12473 करोड़ = 1,24,73,00,00,00,000 अंतर 2,48,02,00,00,00,00
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	Full Credit	प्रतिभावान छात्रों को देश में रोजगार • किसान को मौसम की ठीक जानकारी • जमीनी पानी की जानकारी • प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए • बनाई गई नीतियाँ आम जनता तक पहुंची या नहीं की जानकारी
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -22

1	Full Credit	अपाहिज
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	Full Credit	मोबाइल , इन्टरनेट, टेलीविजन, रेडियो
	Partial Credit	मोबाइल
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	Full Credit	1. मोबाइल प्रयोग की हानियों से अवगत करवा कर सेहत पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे बहरापन, त्वचा सम्बन्धी रोग आदि (छात्र के उत्तर मान्य हैं)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

4	Full Credit	अधिक कीमत वाला मोबाइल – एप्पल मूल्य = 58000रु सबसे कम कीमत वाला मोबाइल-लेनोव = 12500रु अंतर = 45500रु
	Partial Credit	अधिक कीमत वाला मोबाइल – एप्पल मूल्य = 58000रु सबसे कम कीमत वाला मोबाइल-लेनोव = 12500रु या अंतर = 45500 रु
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	Full Credit	1. सैमसंग 2. लेनोव 3. सैमसंग, रेडमी, विवो
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -23

1	Full Credit	प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्तूबर 2014में किया था
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	Full Credit	खुले में शौच से लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे थे आदि
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	Full Credit	शौचालय की सफाई,खेल मैदान से अतिरिक्त घास की कटाई ,पीने के पानी की सफाई ,कक्षा की सफाई (विद्यार्थियों द्वारा दिए गए अन्य

		सम्बंधित उत्तर भी मान्य)
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	Full Credit	गंगा नदी के प्रदूषण को कम करना, गंगा तट पर बसे गाँव को खुले में शौच से मुक्त बनाना, ठोस व तरल कचरे का प्रबंध करना
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	Full Credit	योगी आदित्यनाथ
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -24

1.	FullCredit	शिक्षा से बाल मजदूरों की संख्या में कमी आई है, बच्चों को सुविधाएँ जैसे किताबें, खाना, दवाइयाँ, सकोलर्शिप आदि सुविधाएँ मुफ्त में दी जा रही हैं. जिसके कारण उनके स्वस्थय में भी सुधार हुआ है।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक विकल्प
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	ईंट भट्टा, आभूषण, वाहन सुधार, घरेलू कार्य, चटाई निर्माण, अगरबती, बीडी सिगरेट ढाबा, होटल, निर्माण कार्य
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई चार
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	1098, 1091
	Partial	1098/ 1091 कोई एक न

	Credit	
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	दो करोड़ उन्हत्तर लाख बयालीस हजार तीन सौ उन्हत्तर
	No Credit	असंगत/ अस्पष्ट /अन्य उत्तर
5	FullCredit	9%
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -25

1.	FullCredit	घ) पंजाब
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	FullCredit	नदी प्राकृतिक निर्मित है और नहर मानव निर्मित है/ नदी हिमालय की पिघली बर्फ और ग्लेशियर के पिघलने से बनती हैं और नहर एक जगह से दूसरी जगह जल को प्रवाहित करने के लिए बनाई जाती है
	Partial Credit	नदी या नहर में से किसी एक का वर्णन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	1025किलोमीटर सतलुज गंगा से कम , 775 किलोमीटर सतलुज रावी से अधिक लम्बी है
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	ग)भाखड़ा
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	नदियाँ हिमालय की बर्फ से पिघलने से बनती हैं इस लिए कम या अधिक होती रहती हैं/वर्षा अधिक या कम होने से इनके आकर में परिवर्तन आता
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -26

1.	FullCredit	काकोरी
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2	FullCredit	उत्तर प्रदेश
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	FullCredit	4 कैदी ,8 घंटे
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	FullCredit	ख) मीटर–सेंटीमीटर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	FullCredit	क)10 फुट लंबी,8 फुट चौड़ी
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -27

1.	FullCredit	(लाभ)चलने वालों को सावधान करना, लेन बदलना ,ओवरटेक करना आदि , (हानि) अकारण हॉर्न बजाने से तनाव ,बहरापन, ध्वनि प्रदूषण, आकस्मिक दुर्घटनाएं आदि(कोई दो)
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक लाभ या हानि
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	FullCredit	यातायात के नियमों की अवहेलना, नाबालिग, नशा, हेलमेट बिना वाहन चलाना आदि।(विद्यार्थियों का तर्कसंगत उत्तर) उपरोक्त में से कोई भी एक
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	FullCredit	चंडीगढ़ में पहाड़ी क्षेत्र का न होना, बर्फ का न गिरना, पक्की सड़कें
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	FullCredit	60 किलोमीटर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
	FullCredit	दूसरे

5.	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

आभार:

समन्वयक:

- प्राचार्य श्रीमती डॉ०प्रीति गर्ग, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 47,चंडीगढ़

संसाधन समूह:

- बृजरानी, राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
- रेनू कटोच, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 37, चंडीगढ़
- नीलम चोपड़ा, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 27, चंडीगढ़
- नीना राणा, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय,सैक्टर 42, चंडीगढ़
- कपिल शर्मा, राजकीय उच्च विद्यालय, सैक्टर 53, चंडीगढ़
- डॉ० दिनेश चन्द्र, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय ,सैक्टर 12, चंडीगढ़
- जसविंदर कौर, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 22, चंडीगढ़
- रीता वसिष्ठ, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय ,पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
- किरण बाला, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
- गौरव कुमार, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 10, चंडीगढ़
- सोनिया, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 10, चंडीगढ़
- रजनी खरबन्दा, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 35, चंडीगढ़
- तेजिंदर कौर, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सैक्टर 8, चंडीगढ़

CRITICAL AND CREATIVE THINKING (CCT)
Resource Material Developed

Mathematical Literacy

- 4 modules (classes 7 to 10) in English and Hindi medium
- 'Step by Step' Mathematics Booklet Series
- 'Mathlete' fortnightly series
- CCT Booklets for classes 8th ,9th and 10th (100 pages)

Scientific Literacy

- 5 Modules (classes 6 to 10) in English and Hindi medium
- 'Harshit /Joyful Learning' weekly series
- CCT Booklet for classes 8th -10th (100 pages)

Reading Literacy English

- 5 Handbooks/modules of Reading Literacy (classes 6 to 10)
- 3 Handbooks/modules of Reading Literacy for supplementary reader (classes 8 to 10)
- CCT Booklets for classes 8th, 9th and 10th (100 pages)

Reading Literacy Hindi

- 5 modules (Classes 6 to 10)
- 'Sankalp' Fortnightly Series
- Monthly CCT booklets for classes 6th- 8th and 9th-10th (January 2021 onwards)
- CCT Practice Booklets for classes 8th ,9th and 10th (100 pages)

CBSE Handbooks

- Vol.I Mathematical Literacy
- Vol.I Scientific Literacy
- Vol.I Reading Literacy
- Experiential Learning
- Joyful Teaching and Learning of Mathematics
- Art Integration
- Self-learning Resources
- Artificial Intelligence Integration Manual
- The Question Book
- Cogito
- 21st Century Skill Handbook
- Cyber Safety Manual
- Mathematical Literacy: Practice Book for Students
- PISA Primer
- Handbook of Joyful Learning

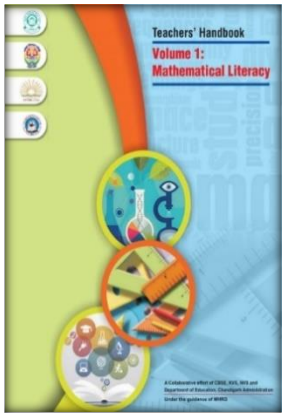

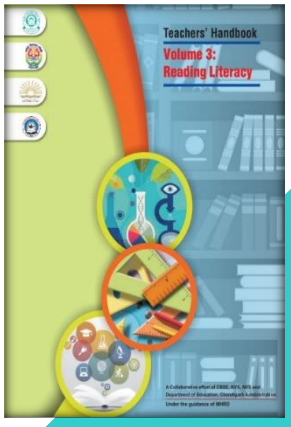

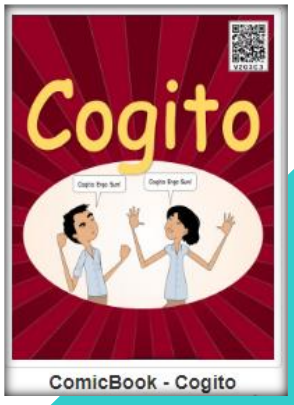

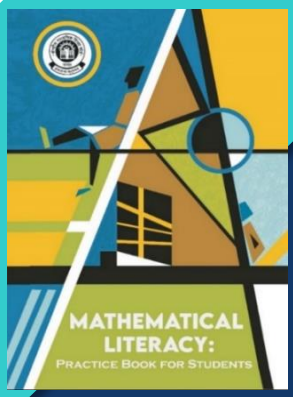

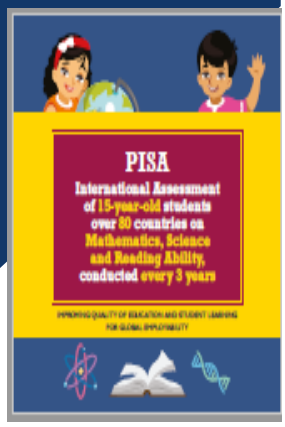

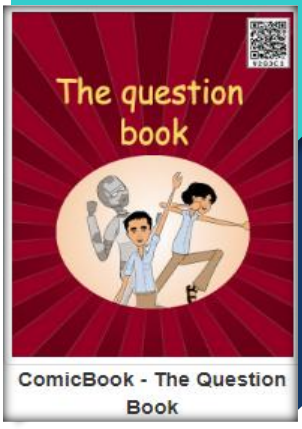

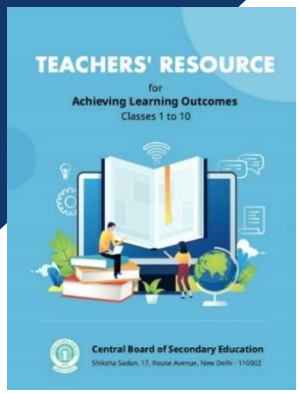

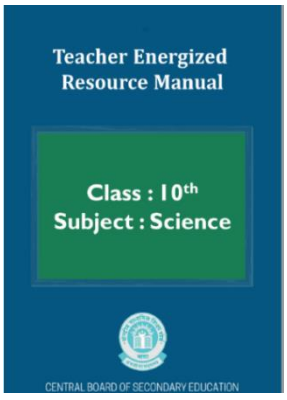

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING (SCERT)

Sector- 32, UT Chandigarh, Email id : scert-chd@nic.in, Phone No: 0172-2676011